मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 201
गुरुवार, 06 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग खत्म, 8 फरवरी को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, 05 फरवरी। दिल्ली में 70 सीटों के लिए हुए मतदान संपन्न हो चुके हैं। हालांकि शाम 6:00 तक मतदान केंद्रों के भीतर जा चुके वोटर्स को मत डालने की अनुमति दी गई। दिल्ली चुनाव के नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। दिल्ली में आज सुबह 7:00 से मतदान शुरू हुए थे। दिल्ली में शाम पांच बजे तक 57.70 प्रतिशत मतदान हुए थे। आम आदमी पार्टी (आप) अपनी शासन व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर तीसरी बार लगातार जीत की उम्मीद कर रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस वापसी की उम्मीद कर रही हैं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, केंद्रीय मंत्री एस. जयशंकर और हरदीप सिंह पुरी, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल शुरूआती मतदाताओं में शामिल थे। आप ने अपने शासन मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया और अरविंद केजरीवाल तथा मुख्यमंत्री आतिशी ने पूरे शहर में रैलियां कीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में भाजपा ने

भ्रष्टाचार के आरोपों और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को लेकर आप पर निशाना साधा। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने भी जोरदार प्रचार किया और विभिन्न मुद्दों पर आप और भाजपा दोनों पर हमला बोला।

चुनाव प्रचार के दौरान शीश महल विवाद, यमुना के पानी की गुणवत्ता, शासन, कानून-व्यवस्था, महिला कल्याण और मतदाता सूची से छेड़छाड़ के आरोप जैसे मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाया गया। चुनाव पूर्व वादों में मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने का मुद्दा भी हावी रहा। आप ने छात्रों के लिए मुफ्त बस यात्रा, ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए बीमा और मंदिर के पुजारियों तथा गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया है। दूसरी ओर, भाजपा ने गर्भवती महिलाओं के लिए 21,000 रुपये की वित्तीय सहायता और 500 रुपये में सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा किया है, जबकि कांग्रेस ने 8,500 रुपये का मासिक बेरोजगारी भत्ता देने की प्रतिबद्धता जताई है। आठ फरवरी को आने वाले चुनाव परिणामों से साफ होगा कि क्या आप अपनी सरकार बरकरार रख पाती है।

दिल्ली में वोटिंग के बीच कांग्रेस का दावा, हम जीतने और सरकार बनाने के लिए लड़ रहे चुनाव

नई दिल्ली, 05 फरवरी। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी के रुख पर बात करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकताएँ अलग हैं क्योंकि मैं एक राजनीतिक व्यक्ति हूँ। लेकिन मैं दिल्ली में जो महसूस कर सकता हूं वह यह है कि लोग न केवल नई दिल्ली क्षेत्र में बल्कि पूरी दिल्ली में शीला दीक्षित को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं। लोग एक बार फिर 'कांग्रेस वाली दिल्ली' की ओर, 'शीला दीक्षित की दिल्ली' की ओर जाना चाहते हैं।

खेड़ा ने कहा कि मतदाताओं ने देखा है कि कांग्रेस ने 15 साल में क्या किया। इसलिए, उन्हें कांग्रेस से उम्मीदें हैं कि यह एकमात्र पार्टी है जिसके 'दिल' में 'दिल्ली' है। हम जीतने और सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि हम 40 सीटों पर बहुत मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। हमें सरकार बनने की पूरी उम्मीद है. दिल्ली निर्णायक जनादेश देने जा रही है।

खेड़ा ने मुख्यमंत्री कार्यालय से कथित संबंध वाले नकदी की जब्ती के हालिया आरोपों को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सबकुछ आपके सामने है। वे स्वच्छ राजनीति के बड़े-बड़े दावे करते थे। खेड़ा ने विपक्ष के ईमानदारी के दावों की ओर इशारा करते हुए टिप्पणी की, जो उन्होंने सुझाव दिया था कि इस घटना से उनका खंडन हो गया है। इस बीच, भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, एकल चरण के दिल्ली विधानसभा चुनाव में सुबह 11 बजे तक राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 20 प्रतिशत की धीमी गति से मतदान दर्ज किया गया।

विजय माल्या ने किया कर्नाटक हाईकोर्ट का रुख

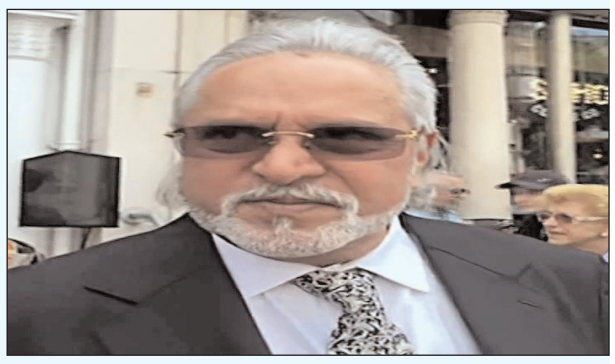

कर्नाटक, 05 फरवरी। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और दावा किया कि बैंकों ने किंगफिशर एयरलाइंस ऋण डिफॉल्ट मामले में मुख्य ऋण राशि कई गुना अधिक वसूली है। अपनी याचिका में माल्या ने बैंकों को वसूली गई रकम का अकाउंट स्टेटमेंट मुहैया कराने का निर्देश देने की मांग की थी। न्यायमूर्ति आर देवदास ने एसबीआई और पंजाब नेशनल बैंक, एक वसूली अधिकारी और एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी सहित 10 बैंकों को नोटिस जारी किया। माल्या का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने कहा कि किंगफिशर एयरलाइंस पर लगभग 6,200 करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है, जिसमें से 14,000 करोड़ रुपये पहले ही वसूले जा चुके हैं। वित्त मंत्री ने लोकसभा को इसकी जानकारी दी है। वकील ने कहा कि ऋण वसूली अधिकारी ने बताया कि 10,200 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। भले ही पूरी ऋण राशि का निपटान कर दिया गया हो, वसूली प्रक्रिया अभी भी जारी है। माल्या ने बैंकों द्वारा किसी भी आगे की वसूली कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाने और उनके और किंगफिशर एयरलाइंस की होल्डिंग कंपनी यूनाइटेड ब्रुअरीज होल्डिंग्स द्वारा बकाया सभी राशियों का विवरण प्रदान करने का निर्देश देने की मांग की। पिछले साल, 2016 में ब्रिटेन भाग गए भगोड़े शराब कारोबारी ने एक एक्स पोस्ट में दावा किया था कि बैंकों ने ऋण वसूली न्यायाधिकरण द्वारा आदेशित 6,203 करोड़ रुपये से दोगुने से अधिक कर्ज वसूल किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने महाकुंभ के 24वें दिन लगाई डुबकी

प्रयागराज, 05 फरवरी। दुनिया के सबसे बड़े आस्था के पर्व महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। इस दौरान उन्होंने भगवा रंग के वस्त्र पहन रखे थे। उनके हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं भी थीं। मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने अकेले ही संगम में डुबकी लगाई। पीएम ने स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य भी दिया। करीब 5 मिनट तक मंत्र का जाप करते हुए सूर्य पूजा की। संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया, साड़ी चढ़ाई।

महाकुंभ में स्नान के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- महाकुंभ में आज पवित्र संगम में डुबकी लगाकर मैं भी करोड़ों

लोगों की तरह धन्य हुआ। मां गंगा सभी को असीम शांति, बुद्धि, सौहार्द और अच्छा स्वास्थ्य दें। मोदी गंगा पूजन के बाद सीधे बोट से अरैल घाट पहुंचे। वहां से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मोदी के संगम स्नान के दौरान यूपी सीएम योगी भी साथ रहे।

उनके आने से महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, इसलिए पीएम ने कार्यक्रम बेहद सीमित रखा। जन सैलाब होने के कारण वे हनुमान मंदिर, अक्षय वट के दर्शन किए बिना ही लौट गए। वह करीब दो घंटे प्रयागराज में रहे। इस दौरान उन्होंने किसी से मुलाकात नहीं की। यहां तक कि दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी बमरौली एयरपोर्ट पर ही रहे। मोदी का विमान सुबह करीब 10.30 बजे दिल्ली से बमरौली एयरपोर्ट पहुंचा। यहां उट योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया।

एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से पीएम डीपीएस के हेलीपैड पहुंचे। यहां से उनका काफिला अरैल के श्रद्ध घाट पहुंचा।

वहां से योगी के साथ बोट से संगम पहुंचे। ढट के दौरे को देखते हुए मेले की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। संगम क्षेत्र में पैरामिलिट्री फोर्स भी तैनात की गई। 54 दिन में ढट का महाकुंभ का दूसरा दौरा है।

पटना पहुंचे राहुल गांधी, फिर उठाई जातीय जनगणना की मांग

पटना, 05 फरवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना में आरोप लगाया कि भारत के वर्तमान सत्ता तंत्र और संस्थाओं में दलितों तथा वंचितों की कोई भागीदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि दलितों, अल्पसंख्यकों, समाज के कमजोर वर्गों की सटीक संख्या पता लगाने के लिए पूरे भारत में जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज भारत की सत्ता संरचना में, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, कॉर्पोरेट हो, व्यापार हो, न्यायपालिका हो, आपकी भागीदारी कितनी है?

राहुल ने कहा कि दलितों को प्रतिनिधित्व तो दिया गया है लेकिन अगर सत्ता संरचना में भागीदारी नहीं है तो इसका कोई मतलब नहीं है। अगर मंच के पीछे से निर्णय लिए जाएं तो मंच पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि आज अलग-अलग जाति के लोगों को टिकट देना एक फैशन बन गया है, ये बात पीएम मोदी भी कहते हैं। लेकिन फिर, आपने (पीएम मोदी) विधायकों की शक्तियां छीन लीं। यहां तक कि लोकसभा सांसदों के पास भी कोई निर्णय लेने की शक्ति नहीं है। आपने मंत्री बनाया लेकिन ओएसडी आरएसएस से है। सवाल नियंत्रण

और भागीदारी का है।कांग्रेस नेता ने कहा कि हम अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के विचार और उसूलों की बात करते हैं। लेकिन सवाल है कि अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी के जो विचार थे, वे कहां से आते थे? सच्चाई ये है कि.. दलितों के दिल में जो दुख और दर्द था, अंबेडकर जी और जगलाल चौधरी जी ने उस आवाज को उठाया था। उन्होंने कहा कि आज भारत के पॉवर स्ट्रक्चर- शिक्षा, स्वास्थ्य, कापोरेंट या ज्यूडिशरी में दलित वर्ग की कितनी भागीदारी है? इखढ रिप्रेजेंटेशन की बात करती है, लेकिन भागीदारी के बिना रिप्रेजेंटेशन का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि ये बिलकुल ऐसा ही है- जैसे मैंने आपके बीच में से पांच लोगों को स्टेज पर बैठा दिया, लेकिन उनके फैसले कहीं और से लिए जा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं बल्कि धर्मयुद्ध है : मुख्यमंत्री आतिशी

नई दिल्ली, 05 फरवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपना वोट डालने से पहले, मुख्यमंत्री और कालकाजी विधानसभा सीट से आप उम्मीदवार आतिशी ने बुधवार को चुनाव को सच्चाई बनाम झूठ की लड़ाई करार दिया और पार्टी की जीत की उम्मीद करते हुए कहा कि दिल्ली के लोग सच्चाई के साथ खड़े होंगे और गुंडागर्दी को हराएंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी अपने चुनावी

मताधिकार का प्रयोग करने से पहले कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की। पत्रकारों से बात करते हुए आतिशी ने कहा कि सच्चाई बनाम झूठ की इस लड़ाई में मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की जनता सच के साथ खड़ी होगी, काम करेगी और गुंडागर्दी को हरायेगी। उन्होंने आगे दिल्ली पुलिस पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया। आतिशी ने अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि लोग काम करने वालों को वोट देंगे न कि गुंडों को। आतिशी ने कहा कि दिल्ली का ये चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं है, ये धर्मयुद्ध है। यह अच्छे और बुरे के बीच की लड़ाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ पढ़े-लिखे लोग हैं जो विकास के लिए काम कर रहे हैं और दूसरी तरफ वो लोग हैं जो गुंडागर्दी कर रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि जनता काम करने वालों को वोट देगी, गुंडों को नहीं। दिल्ली पुलिस खुलेआम बीजेपी के लिए काम कर रही है। आतिशी कालकाजी सीट से पूर्व अअढ नेता और कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा और बीजेपी के रमेश बिधूड़ी के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं।

पुस्तक-महाकुंभ से एक नये दौर का सूत्रपात

-ललित गर्ग

देश में दो महाकुंभ चल रहे हैं, एएक प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है। इस वर्ष के पुस्तक मेले की मुख्य थीम ह्यरिपब्लिक @ 75 है, जो भारतीय संविधान के 75 वर्षों के जश्न पर एक मजबूत भारत की परिकल्पना, राष्ट्र-निर्माण में प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर केन्द्रित है। पुस्तक मेले का एक मुख्य आकर्षण बच्चों का मंडप है, जिसका उद्देश्य बच्चों के साहित्य को बढ़ावा देना और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करना है। पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है; यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है। मेले में आयोजित नाट्य, संगीत, लोक कला और परंपरागत प्रस्तुतियाँ इसे एक समग्र अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के संवाद का

अवसर प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर विभिन्न देशों के साहित्यिक प्रतिनिधिमंडल की सहभागिता हो रही है, जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और साहित्यिक दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं। आज डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के दौर में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह टंग रहे हो, लेकिन ऐसे अनूठे एवं विलक्षण पुस्तक मेले पुस्तकों की उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं महत्व को नये पंख भी दे रहे हैं। पुस्तक मेलों की परंपरा भारत और विश्व में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन भारत में भी पांडुलिपियों के आदान-प्रदान और साहित्यिक संवाद की परंपरा थी। आधुनिक युग में, पुस्तक मेला का आयोजन पहली बार यूरोप में 15वीं शताब्दी में हुआ। गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण तकनीक के आविष्कार के बाद पुस्तकों का वितरण तेजी से बढ़ा और इसने पुस्तक मेलों के आयोजन को प्रेरित किया। भारत में पुस्तक मेलों की आधुनिक परंपरा 1970 के दशक में प्रारंभ हुई, जब नेशनल बुक ट्रस्ट ने दिल्ली में पहले विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया। ये मेले न केवल साहित्यिक संवाद का माध्यम बने हैं, बल्कि विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच बनकर शब्द, विचार तथा भावनाओं को जीवंत किया है। ये केवल पुस्तकों की खरीद-बिक्री का स्थान नहीं, बल्कि भाषाई और साहित्यिक विविधता को प्रोत्साहित करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुस्तक मेले न केवल साहित्यिक चेतना को सजीव करते हैं, बल्कि गहरी सांस्कृतिक चेतना का पोषण भी करते हैं। विश्व पुस्तक मेला न केवल पुस्तकों का उत्सव है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के साथ पुस्तक-संस्कृति को सजीव बनाने का अवसर भी है। इंसान की जिंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-कायदे से गुजरना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह जिंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। किताबों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिये ऐसे मेले मील का पत्थर है।

पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर जरिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदेशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। दो और दो चार होते हैं, यह चिर सत्य है पर साहित्य नहीं है क्योंकि जो मनोवेग तरंगित नहीं करता, परिवर्तन एवं कुछ कर गुजरने की शक्ति नहीं देता, वह साहित्य नहीं हो सकता अतः अभिव्यक्ति जहां आनन्द एवं जीवन ऊर्जा का स्रोत बन जाए, वहीं वह साहित्य है। पुस्तकें पढ़ना विचार सुनने या भाषणों से बेहतर हैं।

रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में बुके नहीं बुक्स यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा है, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम है। देश में स्वामी विवेकानंद की धारा से पुनर्जागरण का एक दौर शुरु हुआ था जिससे हमें आजादी मिली थी, आचार्य श्री तुलसी के नैतिक क्रांति के शंखनाद-अणुव्रत आन्दोलन से नैतिक, वैचारिक एवं चारित्रिक बल मिला और अब मोदी के नेतृत्व में पुनर्जागरण का एक नया दौर शुरू हुआ है जो देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाला साबित हो रहा है, इससे नया भारत निर्मित हो रहा है एवं पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लग रहा है। पुस्तक मेले से पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपात हो रहा है। नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती है कि विरोध करना क्यूं जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती है तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। भले ही आज के इंटरनेट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनेट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है। उन्नत एवं सफल जीवन के लिये पुस्तकों के पठन-पाठन की संस्कृति को जीवंत करना वर्तमान समय की बड़ी जरूरत है। क्योंकि पुस्तकों में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ समाज की संरचना करता है। पुस्तकें मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ व बुद्धिमान हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान। पुस्तकें समाज एवं राष्ट्र रूपी शरीर की मस्तिष्क होती है, जिनसे हमारी रूचि जागे, आध्यात्मिक एवं मानसिक तृप्ति मिले, हममें शक्ति एवं गति पैदा हो, हमारा सौन्दर्यप्रेम एवं स्वाधीनता का भाव जागृत हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश उपलब्ध हो, जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाइयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता उत्पन्न करें। दिल्ली विधानसभा चुनावों की राजनीतिक सरगर्मियों के बीच यह पुस्तक मेला नये भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत का इंजन है। आज भी सबसे बड़ी लड़ाई विचारों की है और विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही वास्तविक हथियार हैं।

महाकुंभ : लाख कोशिशों के बावजूद सर चढ़कर बोली गंगा यमुनी तहजीब

-निर्मल रानी

2025 का बहुप्रतीक्षित महाकुंभ समापन की ओर है। 26 फरवरी अर्थात महाशिवरात्रि को अंतिम शाही स्नान के साथ ही कुंभ मेले का समापन हो जायेगा। इस बार का महाकुंभ कई बातों को लेकर पूर्व में आयोजित हो चुके कुंभ,अर्द्धकुंभ अथवा महाकुंभों से अलग था। इस बार के विशाल आयोजन को हाई टेक बनाने की जैसी कोशिश इस बार हुई वह पहले कभी देखी नहीं गयी। संगम तट के किनारे अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिये टैंट के वी आई पी नगर बसाये गए। इनमें महाराज टेंट सिटी में एक कमरे का एक दिन का किराया औसतन 30000 था जबकि डोम सिटी में किराया 1 लख रुपए के आसपास था। करीब 3000 स्पेशल ट्रेन और बड़े शहरों से विमान उड़ानों की सुविधा रखी गयी। इतने बड़े आयोजन में छोटे बड़े हादसों की संभावना भी बनी रहती है। महाकुंभ 2025 भी इससे अछूता नहीं रहा। सुरक्षा के तमाम प्रयासों के बावजूद कुंभ मेले में अग्निकांड व भगदड़ जैसी संभावित घटनाओं को आखिरकार नहीं टाला जा सका।

परन्तु बड़े ही दुःख का विषय है कि इस बार का महाकुंभ जहाँ सत्ता के गुणगान व पी आर पर केंद्रित रहा वहीँ इस बार इसमें भाग ले रहे अनेक प्रमुख लोगों ने इस पवित्र आयोजन को साम्प्रदायिकता फैलाने व समाज में जहर बोने का माध्यम बनाने की भी कोशिश की। खासतौर पर इस आयोजन के एक वर्ष पूर्व से ही कुछ नये नवेले विवादित कथावाचकों द्वारा कुछ स्वयंभू संतों के साथ यह राग छेड़ा गया कि कुंभ आयोजन में मुसलमानों का व्यवसाय करना प्रतिबंधित हो। कई लोगों ने तो मुसलमानों के मेला क्षेत्र में प्रवेश वर्जित करने तक की बात की। परन्तु सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, मोतीलाल, जवाहरलाल नेहरू,अकबर इलाहाबादी, हरिवंश राय बच्चन, सुभद्रा कुमारी चौहान, सुमित्रानंदन पंत, हरिप्रसाद चौरसिया, फिराक गोरखपुरी व महादेवी वर्मा जैसी अनेक महान हस्तियों की जन्म व कर्मस्थली रही इस संगम नगरी को शायद यह हरगिज गवारा नहीं था कि दुनिया को प्रेम सद्भाव व साम्प्रदायिक एकता का पाठ पढ़ाने वाले तथा देश की गंगा यमुनी तहजीब का केंद्र समझे जाने वाले इस पवित्र प्रयागराज नगरी से साम्प्रदायिक दुर्भावना नफरत या वैमनस्य का कोई सन्देश जाये।

महाकुंभ के दौरान सत्ता संरक्षित इन साम्प्रदायिकता वादियों ने देश की एकता व सद्भाव को छिन्न भिन्न करने के लिये क्या कुछ नहीं किया ? देश के अनेकानेक अतिवादी नेताओं व प्रवचन कताओं ने अपने भाषणों में जमकर धर्म विशेष के विरुद्ध विषवमन किया। हद तो यह है कि इस मेले में धारदार व नुकीले हथियार तक मुफ़्त बांटे गये। मीडिया व सोशल मीडिया पर तथा सत्ता के आई टी सेल द्वारा ऐसे नफरती क्लिप्स को जमकर प्रसारित किया गया। प्रयाग का मुसलमान भी बाहर से आने वाले नफरती चिंटुओं के नफरती भाषणों को सुनता व सहन करता रहा। परन्तु जब इसी महाकुंभ में 28 जनवरी की देर रात्रि लगभग डेढ़ बजे भगदड़ मची और उसके कुछ देर बाद कथित तौर पर संगम तट पर ही दूसरी जगह भगदड़ मची उसके पश्चात इलाहाबाद शहर ने जो भयावह दृश्य देखे वह कुंभ के इतिहास में पहले कभी नहीं देखे गये। देश से आये करोड़ों श्रद्धालु जब अनजान शहर की गलियों में व सड़कों पर असहाय अवस्था में भयंकर सर्द रात में भगदड़ की दहशत से परेशान होकर अपनी जान बचाने के लिये पनाह मांगते फिर रहे थे।जब वे भूख प्यास से तड़प रहे थे ,अपनी इज्जत आबरू जान माल बचाने की कोशिश में इधर उधर भटक रहे थे। उस समय यही विश्वविख्यात महाकुंभ साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव का अपना अलग इतिहास लिख रहा था।

उस संकटकालीन दौर में सरकार की कोशिश थी कि मृतकों की संख्या को कम से कम कर बताया जाये। भगदड़ के शुरूआती घंटों की सरकारी कवायद इसी प्रबंधन में व्यस्त रही। जबकि 'सरकारी तोते' रुपी प्रवचनकर्ता यह कहते सुने गये कि भगदड़ में गंगा किनारे मरने वालों को मोक्ष प्राप्त हो गया। परन्तु उसी समय इलाहाबाद के मुसलमानों ने धरातल पर उतारकर वह कर दिखाया जिससे नफरत के सौदागरों की सारी कोशिशों पर पानी फिर गया। इलाहाबाद के भगदड़ प्रभावित क्षेत्र की सभी मस्जिदें,जामा मस्जिदें, इमामबाड़े, दरगाहें व मदरसे तथा यादगार ए हुसैनी जैसे कई मुस्लिम शैक्षणिक संस्थानों के दरवाजे पूरी तरह खोल दिए गये। हजारों स्थानीय मुसलमानों ने परदेसी श्रद्धालुओं को अपने अपने घरों में पनाह दी। उन्हें नाश्ता,भोजन,गर्म कपड़ा,कंबल, दवाई आदि सब कुछ उपलब्ध कराया। सैकड़ों जगहों पर मुसलमानों द्वारा सार्वजनिक लंगर लगाये गए। और लगभग एक सप्ताह तक देश भर के परेशान हाल श्रद्धालुओं की कुंभ नगरी के स्थानीय मुसलमानों द्वारा दिल खोलकर मेहमाननवाजी की गयी। इसी तरह गत दिसंबर में जब श्रीनगर-सोनमर्ग राजमार्ग में भारी बर्फबारी के कारण हजारों पर्यटक कश्मीर घाटी में फँस गए थे उस समय भी कश्मीर के मुसलमानों ने मस्जिदों व मदरसों के दरवाजे खोल दिए थे ।उन्हें अपने घरों में पनाह देकर खाना गर्म पानी आदि सब कुछ मुहैय्या कराया था। देश में ऐसे और भी हजारों उदाहरण हैं जो हमारी सांझी तहजीब व संस्कृति का सुबूत पेश करते हैं।

इस बार के महाकुंभ का जितना राजनैतिक दुरूपयोग करने की कोशिश की गयी और सनातन रक्षा के नाम पर धर्म विशेष को डराने धमकाने व इसी की आड़ में सत्ता में बने रहने के लिये अपने वोट बैंक को मजबूत करने का जो दुष्प्रयास किया गया उसे किसी 'धार्मिक आयोजन ' के नजरिये से कैसे देखा जा सकता है ? परन्तु स्थानीय मुसलमानों ने सेवा सहयोग भाईचारा व सद्भाव की जो मिसाल पेश की है दरअसल वही साधु संतों फकीरों व औलियाओं का धर्म है। वही धर्म नानक खुसरो चिश्ती फरीद बुल्लेशाह व निजाम जैसे फकीरों का धर्म है और वही रसखान,जायसी रहीम व कबीर का भी । वीर शिवाजी से लेकर अकबर तक के अनेक मानवतावादी शासकों की धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था ही असली भारतीय धर्म है। न कि धर्म व सम्प्रदाय के आधार पर नफरत बहिष्कार भय व नफरत का प्रसार। महाकुंभ के इतिहास में प्रयागराज का महाकुंभ 2025 हमेशा इसलिये भी याद रखा जायेगा कि नफरत फैलाने की लाख कोशिशों के बावजूद प्रयागराज में गंगा यमुनी तहजीब सर चढ़कर बोलती दिखाई दी।

किताबों और अखबारों को बनाइए अपना साथी, जिन्दगी को जीने और देखने का बदल जाएगा नजरिया।

-डॉ सत्यवान सौरभ

युवा लोगों में इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से किताबों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की वजह से युवा भारतीयों की पढ़ने की आदत में तेजी से बदलाव आ रहा है। स्मार्टफोन और लगभग मुफ्त इंटरनेट सेवाओं के प्रसार ने आदत बदलने की इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। इंस्टेंट मैगी युवा पीढ़ी का हिस्सा है। नतीजतन वे अपने जीवन को मैनेज करने के लिए गूगल का इस्तेमाल करते हैं। मेहनत, धैर्य और लगन से काम करके पुरानी पीढ़ी, जो कभी किताबें पढ़ती थी, अपने जीवन को मकसद देती थी। किताबें समस्या-समाधान के लिए बहुत जरूरी थीं, खासकर आत्मकथाएँ। पहले माता-पिता भी किताबें पढ़ने का सुझाव देते थे। अगर आप अभी किताबें और अखबार नहीं पढ़ते हैं तो आज से ही पढ़ने की आदत डालें। आप शायद किताबें पढ़ने के इतने फायदों से वाकिफ नहीं हैं। आजकल, जब युवा पीढ़ी सुबह उठती है, तो वे समाचार पत्र पढ़ने के बजाय सोशल मीडिया साइट्स ब्राउज करने के लिए अपने स्मार्टफोन का उपयोग करना शुरू कर देते हैं। कोई भी टीवी शो कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, अब परिवार उसे देखने के लिए एक साथ इकट्ठा नहीं होता है जैसा कि वे पहले करते थे। इसके बजाय, वे अपने फोन पर सोशल मीडिया ऐप के साथ खुद को व्यस्त रखना जारी रखते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल उद्योग में और भी क्रांति आएगी। नतीजतन, जीवन और पढ़ने-लिखने की आदतों में बदलाव आए हैं, और आगे भी आयेंगे।

किताबें मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है। हालाँकि, आज की व्यस्त दुनिया में बहुत कम लोग हैं जो किताबें पढ़ते हैं। किताबें पढ़ना वास्तव में एक ऐसी आदत नहीं है जिसे मनोरंजन से जोड़ा जाना चाहिए। इसके बजाय, आपको इसे अपने दैनिक कार्यक्रम में शामिल करना चाहिए। यह देखते हुए कि किताबें लोगों को खुश करती हैं। जब पूछा जाता है कि उन्होंने आखिरी बार कब किताब पढ़ी थी, तो अधिकांश लोग हैरान दिखेंगे। स्कूल और कॉलेज में नामांकित छात्रों के अलावा, यह सवाल कामकाजी युवाओं द्वारा भी पूछा जाता है जो स्नातक होने के बाद अपने भविष्य को निर्धारित करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। आज की व्यस्त दुनिया में, लोग पढ़ने से परहेज कर रहे हैं। दुनिया के हर सफल और प्रशंसनीय व्यक्ति को किताबें पढ़ने की आदत होती है। किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त मानी जाती हैं। नियमित रूप से पढ़ना न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह आपके ज्ञान को भी बढ़ाता है। यह जीवन और विचारों के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी बदलता है। इंटरनेट चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो जाए, किताबें पढ़ना हमेशा सबसे अच्छा विकल्प रहेगा। किताबें पढ़ने के फायदों की बात करें तो वे बहुत हैं। जब आप कोई किताब पढ़ते हैं, तो आपका ध्यान एक क्षेत्र पर केंद्रित होता है। हर दिन पढ़ने की आदत से फोकस बेहतर होता है। किसी प्रोजेक्ट पर काम करने का मन भी करता है। अखबारों में राजनीति, विज्ञान, तकनीक, कला और संस्कृति सहित कई विषयों पर लेख प्रकाशित होते हैं, साथ ही जाने-माने लेखकों और विषय विशेषज्ञों के लेख भी होते हैं। नियमित रूप से पढ़ने वाले बच्चों को नया ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिलता है।

ज्ञान की कमी के कारण आपको कई स्थितियों में चुप रहना पड़ता है। आप स्पष्ट रूप से बोलने में असमर्थ होते हैं या ऐसा करने में बहुत शर्म महसूस करते हैं। पढ़ने से ज्ञान और जानकारी बढ़ती है। जिसके आधार पर आप किसी भी विषय पर कहीं भी, किसी से भी चर्चा कर सकते हैं। किताबें पढ़ने से बोलने और संवाद करने का आत्मविश्वास बढ़ता है। कहा जाता है कि अच्छा लिखना, अच्छे बोलने से ही संभव होता है। किताबें पढ़ने से आप उन विचारों और रणनीतियों के बीच सम्बंध बनाना शुरू कर देते हैं, जिन पर वे चर्चा करते हैं अपने जीवन में। आप उन्हें उसी समय अपने जीवन में लागू करना शुरू कर देते हैं। आप किसी डरावनी या दुविधापूर्ण उपन्यास को पढ़ते ही उसके पात्रों और घटनाओं की कल्पना करना शुरू कर देते हैं। फिर आप उपन्यास को पूरा पढ़े बिना ही उसके अंत को समझने की कोशिश करने लगते हैं। वर्तमान पीढ़ी को समाचार पत्र पढ़ना सिखाना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि वे या तो अपने उपकरणों से मोहित हो जाते हैं या फिर फिक्शन पढ़ना पसंद करते हैं। समाचार पत्रों में तथ्यात्मक प्रस्तुति उनमें से अधिकांश के लिए थकाऊ और थका देने वाली होती है। हालाँकि, आप कुछ नए विचारों को लागू कर-के समाचार पत्र पढ़ना अपने बच्चे के पसंदीदा शगल में से एक बना सकते हैं और एक बार जब वह आदत विकसित कर लेता है, तो यह जीवन भर बनी रहेगी।

विडंबना यह है कि बहुत से माता-पिता भी यही मानते हैं कि चुटकुले, मनोरंजन, रील बनाना और जो चाहे खाना, ये सब जीवन में खुशी और आनंद की कुंजी हैं। इस उपभोक्तावादी मानसिकता के परिणामस्वरूप युवाओं का ज्ञान और मूल्यों का अधिग्रहण लगभग बंद हो गया है। हालाँकि, चूँकि घरों में अखबार, पत्रिकाएँ या किताबें नहीं हैं, इसलिए युवाओं को ही दोष देना अनुचित है। अगर कोई किताब, अखबार या पत्रिका है, तो बच्चा कम से कम तस्वीर तो देखेगा और आश्चर्य करना शुरू कर देगा। अब ऐसा भी नहीं है। अगर माता-पिता प्रमुख पत्रिकाओं और अखबारों के नामों की भी परवाह नहीं करते हैं, तो इसमें युवाओं का क्या दोष है? जब तक माता-पिता ध्यान नहीं करेंगे, तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। चूँकि अधिकांश माता-पिता खुद कुछ नहीं पढ़ते हैं, तो वे क्या और किससे बात करेंगे?

उपन्यास या कहानी की किताब पढ़ने के बाद आप उसके किरदार और सेटिंग को बहुत लंबे समय तक याद रख पाते हैं। रोजाना पढ़ने से आपकी याददाश्त और याददाश्त बेहतर होती है। हर दिन आपकी याददाश्त बेहतर होती जाती है। इस तरह दिमाग का विकास होता है। आपने शायद यह कहावत पढ़ी या सुनी होगी कि अगर आपको नींद नहीं आ रही है, तो सोने के लिए किताब पढ़ना शुरू कर दें। रात को सोने से पहले किताब पढ़ने से आपका दिमाग थका हुआ महसूस करता है और आपके दिमाग की नसों को आराम मिलता है, जिससे अच्छी नींद आती है। इसलिए, आराम से सोने के लिए हर दिन सोने से पहले पढ़ने की आदत डालें। एक इंसान की सच्ची दोस्त एक किताब होती है। वे आपके अकेलेपन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करती हैं। जब भी आप बोर या अकेले हों, आपको पढ़ना चाहिए। नियमित रूप से पढ़ने से आपको नई ऊर्जा मिलती है। आपका मूड बदलता है और परिणामस्वरूप आप अधिक आराम महसूस करते हैं। यह जरूरी है कि युवा लोग समझें कि इंटरनेट मुख्य रूप से ज्ञान के बजाय सूचना के स्रोत के रूप में काम करता है। इसलिए, इसे केवल सूचना तक ही सीमित रखना चाहिए। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण अलग-अलग होते हैं और युवा लोगों के अकेलेपन को आसानी से महसूस किया जा सकता है। दूसरी ओर, किताबें युवाओं को अधिक कल्पनाशील बनने में मदद कर सकती हैं। यह पहले भी देखा गया था। यह संभव है कि पुरानी पीढ़ी वर्तमान पीढ़ी की तुलना में अधिक विनम्रता और नरमी से सोचती और व्यवहार करती थी। वास्तविक जीवन में, आभासी दुनिया से लगाव के कारण रिश्ते और संपर्क कम होते जा रहे हैं। यह एक नया जोखिम पैदा करता है। इसके अतिरिक्त, कुछ स्थानों पर चेतावनी के संकेत सामने आने लगे हैं। इस मामले में माता-पिता को ऐसा करना होगा।

बुद्धि के विकास के अनुसार, आने वाले वर्षों में यह एक संकट बन जाएगा, क्योंकि दस साल बाद, बारह से बीस वर्ष की आयु के ये युवा और भी बड़े हो चुके होंगे और अगर उन्हें कोई ज्ञान नहीं होगा तो वे अगली पीढ़ी को क्या सिखा पाएंगे? इस पर चर्चा करते समय, युवा पीढ़ी के कुछ लोग अक्सर दावा करते हैं कि वे अपने मोबाइल डिवाइस पर वही सामग्री प्राप्त कर सकते हैं जो मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोग समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में पढ़ते हैं। हालाँकि यह सच है, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या वे उस मोबाइल डिवाइस का उपयोग आर्थिक नीति, रक्षा या शिक्षा के बारे में पढ़ने के लिए करते हैं, या क्या वे इसका उपयोग समाचारों या चमक-दमक वाले, ग्लैमराइज्ड, सतही मनोरंजन की क्षमता पर शोध करने के लिए करते हैं। विडंबना यह है कि बहुत से माता-पिता भी यही मानते हैं कि चुटकुले, मनोरंजन, रील बनाना और जो चाहे खाना, ये सब जीवन में खुशी और आनंद की कुंजी हैं। इस उपभोक्तावादी मानसिकता के परिणामस्वरूप युवाओं का ज्ञान और मूल्यों का अधिग्रहण लगभग बंद हो गया है। हालाँकि, चूँकि घरों में अखबार, पत्रिकाएँ या किताबें नहीं हैं, इसलिए युवाओं को ही दोष देना अनुचित है। अगर कोई किताब, अखबार या पत्रिका है, तो बच्चा कम से कम तस्वीर तो देखेगा और आश्चर्य करना शुरू कर देगा। अब ऐसा भी नहीं है। अगर माता-पिता प्रमुख पत्रिकाओं और अखबारों के नामों की भी परवाह नहीं करते हैं, तो इसमें युवाओं का क्या दोष है? जब तक माता-पिता ध्यान नहीं करेंगे, तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। चूँकि अधिकांश माता-पिता खुद कुछ नहीं पढ़ते हैं, तो वे क्या और किससे बात करेंगे?

मनुष्य की नाक मे दम न कर दे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

संजीव ठाकुर

यह बहुत अच्छी खबर है कि भारत ने बहुत ही कम वित्तीय निवेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अधिकतम उपयोग के बाद उसके फायदे उठाए हैं। ब्रिटेन के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमंस के स्पीकर लिंडसे हाएल ने कहा कि ब्रिटेन संसदीय प्रक्रिया को और बेहतरीन बनाने के लिए भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की प्रगति से उनका अनुकरण कर फायदे उठा सकता है। यह सुखद आश्चर्य है कि भारतीय संसद एक साथ 23 भाषाओं का अनुवाद कर सकता है। भारत की यह प्रगति दुनिया के देश के लिए काम आर्थिक बजट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अधिकतम उपयोग का एक बेहतरीन उदाहरण बन सकता है उन्होंने कहा कि इससे साबित होता है कि भारत शानदार तरीके से आगे बढ़ रहा है पर संपूर्ण मानव जाति को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक पर महारत हासिल की जानी चाहिए अन्यथा यह रोबोट की तरह मानव पर संपूर्ण अधिकार जमाने वाला औजार साबित हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अमेरिका, रूस, चीन, जापान और पश्चिमी देश जिस तरह गोपनीय तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं उससे विकासशील देशों की रक्षा सूचना के उजागर होने के खतरे बढ़ गए हैं इसमें विशेष सतर्कता की आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सामरिक सूचना के उजागर होने के खतरे बढ़ गए हैं' जब तक इस विधा में पूरी तरह पारंगत नहीं हो जाते इस पर विशेष सावधानी रख का उपयोग किया जाना चाहिए अन्यथा इसका विपरीत असर भी पढ़ सकता है। सूचनाओं विदेशी तत्वों के हाथों में जा सकती है इसके अलावा आतंकवादी संगठन इसका उपयोग कर भारी तबाही मचा सकते हैं। निसंदेह यह दौर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का दौर है पर इसका उपयोग अतिरिक्त सावधानी के साथ किया जाना चाहिए' अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें' यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है' यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं' दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं' आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है' राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

संगम की रेत पर सनातन का वैभव

-विक्रम दयाल

सनातन का अर्थः शाश्वत या सदा बना रहने वाला. जिसका न आदि है और न अंत है. संगम की रेत पर सनातन का वैभव आज पूरी कायनात देख रही है. त्रिवेणी के संगम में सनातन का जयघोष पूरे जोर शोर से सुनाई देरहा है. संगम के किनारे पर सनातन के जयकारे लगाये जा रहे हैं. महाकुंभ केवल आस्था का संगम नही बल्कि सनातन संस्कृति की अमरता का प्रमाण है. संगम स्थल को ही त्रिवेणी कहा जाता है. जो हिंदुओं के लिए एक विशेषकर पवित्रस्थल है. प्रयागस्य प्रवेशाद्वै पापंनाश्यतिः तत्क्षणात अर्थात प्रयागराज में प्रवेशमात्र से ही समस्त पापकर्म का नाश हो जाता है. सोमवार तड़के से ही आखिरी अमृत स्नान के साथ अखाड़ों का महाकुंभ प्रवास पूर्ण होजायेगा. इसके बाद अखाड़ों से जुडे.नागा सन्यासी वापसी की राह थाम लेंगे.आखिरी अमृत स्नान को भव्य बनाने के लिए सभी सात शैव तीन अनी समेत उदासीन एवम्-निर्मल अखाड़े अपनी अपनी पूरी तैयारियाँ करली है. आखिरी अमृत स्नान के दिन तड़के से ही महामंडलेश्वर के रथ को फूलों से सजा कर शोभा यात्रा के साथ ही सभी अखाड़े बारी बारी से स्नान घाट पहुँचकर संगम की रेती पर सनातन का वैभव विखेरेगें.

महाकुंभ मेले में ऐसा माना जाता है कि पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुल जाते हैं. और इसदिन पवित्र नदियों में स्नान करने से साक्षात स्वर्ग दर्शन माना जाता है. कुंभमेला अर्थात अमरत्व का मेला. महाकुंभमेला लाखों करोड़ों तिर्थ यात्रियों को आकर्षित करने वाला एक भव्य उत्सव के साथ अपने आप में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम और आध्यत्मिक कार्यक्रम में देश के लोगों को एकजुट करना जिसमें शाही स्नान की एक वृहद् शृंखला भी शामिल है. हजारों हजार भक्त, देशवासी अपने पापों को धोने के लिए पवित्र नदियों में स्नान करते हैं. चार तीर्थस्थान उज्जैन में शिप्रा नदी, प्रयागराज में(गंगा, यमुना और सरस्वती नदी) संगम, गंगा हरिद्वार, गोदावरी नाशिक. साधु, तपस्वी, संत ऋषि-मुनि, जहाँ चर्चा, ध्यान, और ज्ञान की सभा करने के लिए सभी लोग एकसाथ आते हैं. सभी उपस्थिति लोगों में समृद्धि अनुभव प्रदान करते है. त्रिवेणी संगम पर आने वाले तीर्थ यात्री प्रयागराज में कई प्रतिष्ठित मंदिरों के दर्शन करते हैं. संत समर्थ गुरुरामदास जी द्वारा स्थापित दारागंज में ही लेटे हुए हनुमानजी का मंदिर, शिव, पार्वती, गणेश,भैरव, दुर्गा, काली और नवग्रह की मूर्तियाँ और पास में राम, जानकी और हरित माधव मंदिर, जो अध्यात्मिक वातावरण में चार चांद लगाते है. आलोपशंकरी मंदिर, नागदेवता का सम्मान करनेवाला नाग वासुकी मंदिर, भी यहाँ का अत्यंत लोकप्रिय है. जो दर्शन करने वाले भक्तों के लिये आज सज्ज हैं. संगम नगरी प्रयागराज में स्वर्ग के देवता पृथ्वी पर आकर संगम में पवित्र स्नान करने आये सभी साधु संतों और श्रद्धालुओं की इच्छित मनोकामनायें पूर्ण कर देते हैं. और उनके अंतर्मन को प्रकाशित कर हर पापों से मुक्ति प्रदान कर देते हैं. इसलिए हिंदू आस्थाओं से जुड़ा महाकुंभ विश्व में महावृहद् त्यौहार जो हर पाप से मुक्ति प्रदान करने वाला सर्वोत्तम और पवित्र फलदायी त्यौहार महाकुंभ एक उपहार माना गया है. संगम के तट पर संगम की रेत पर ऋषि मुनि, साधु संत, और महामंडलेश्वर सहित सभी अखाड़ों के नागा संत योगी आखिरी अमृत स्नान के बाद संगम की रेत पर सनातन का वैभव विखेरते हैं. जय सनातन अमर सनातन.

बीकन ने 'इंडियन बिल पे' लॉन्च किया

मुंबई। कैनेडा में प्रवासियों के लिए वित्तीय सेवाओं को पुनर्परिभाषित करने वाली कंपनी बीकन ने एक क्रांतिकारी सुविधा शुरू की है, जो उनके बीकन मनी खाते से कै कैनेडियन डॉलर में सीधे भारत में बिल भुगतान की अनुमति देती है। 'इंडियन बिल पे' बीकन सुपर ऐप में जोड़ी गई नवीनतम सुविधा है, जो विशेष रूप से कैनेडा में प्रवासियों के लिए डिजाइन की गई है और अब गूगल और आईओएस पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है। अपनी तरह की पहली सेवा बीकन का 'इंडियन बिल पे' एक अग्रणी क्रॉस-बॉर्डर बिल भुगतान समाधान है, जिसे भारत में भारत कनेक्ट (बीबीपीएस) और येस बैंक के सहयोग से लॉन्च किया गया है। बीकन के सह-संस्थापक और चीफ प्रोडक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर आदित्य म्हात्रे ने कहा, ₹कैनेडा में एक एनआरआई के रूप में मुझे भारत में अपने परिवार के लिए बिलों का भुगतान करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि हमने येस बैंक और भारत कनेक्ट के साथ साझेदारी की और बीकन 'इंडियन बिल पे' बनाया, जो एनआरआई के लिए एक सहज अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। बीकन 'इंडियन बिल पे' के साथ, हमने भारत में बिल भुगतान की सरलता को फिर से बनाया है, लेकिन इसे विदेशी मुद्रा का उपयोग करने वाले एनआरआई के लिए अनुकूलित किया है। अब पैसे भेजना बंद करें–बस सीधे बिल का भुगतान करें। हम पहले से ही बीकन 'इंडियन बिल पे' की क्रांतिकारी सेवा को और देशों में लाने की योजना बना रहे हैं। येस बैंक द्वारा संचालित यह सेवा, भारतीय बिलर्स के लिए भुगतान प्रक्रिया को रुपया ड्राइंग अरेंजमेंट (आरडीए) के तहत सुचारू रूप से सुनिश्चित करती है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनियमित एक ढांचा है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास के लिए क्लियर प्रीमियम वाटर की पहल

मुंबई। 38वें राष्ट्रीय खेल आयोजन में क्लियर प्रीमियम वाटर को अधिकृत हाइड्रेशन पार्टनर नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय खेल का आयोजन 28 जनवरी से 14 फरवरी तक उत्तराखंड में किया गया है। पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी की दिशा ने एक अग्रिम कदम के तहत क्लियर प्रीमियम वाटर ने इस आयोजन में भारत की पहली 100% १ढएळ बोतल रेंज लॉन्च की है। यह ऐतिहासिक और मिल के पत्थर समान भागीदारी राष्ट्रीय मंच पर ग्रीन पहल को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय खेल आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में किया। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, खेल मंत्री रेखा आर्य और भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पी. टी.ऊषा सहित कई महानुभाव मौजूद थे। क्लियर प्रीमियम वाटर की यह शुरूआत निश्चित ही यह राष्ट्रीय खेलों के ग्रीन गेम्स के सूत्र के अनुरूप है, जिसमें पर्यावरण के अनुकूल तरीकों पर जोर दिया गया है। इन बोतलों को इकठ्ठा किया जाता है और बेंच जैसी कार्यात्मक चीजों के लिए दोबारा उपयोग में ली जाती है। यह प्रेक्टिस समूचे उत्तराखंड में स्थापित की जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक बोतल ग्रीन फ्यूचर में योगदान दे रही है। क्लियर प्रीमियम वाटर के संस्थापक और सीईओ नयन शाह ने ब्रांड के भविष्य के अभिगम पर जोर देते हुए कहा कि₹38 वें राष्ट्रीय खेलों के साथ हमारी भागीदारी हाइड्रेशन से भी अधिक है। वास्तव में वह खेल में पर्यावरण के जतन के साथ एक नई नीति को आगे बढ़ाने पर फोकस करती है। हमारी 100% १ढएळ बोलतों के साथ हम सिर्फ हाइड्रेशन सॉल्यूशन ही नहीं दे रहे हैं बल्कि, साथ में यह भी सुनिश्चित कर रहे है कि उपयोग ली जानेवाली प्रत्येक बोतल फिर से उपयोग में ली जा सके।

क्रिकेट आइकन एमएस धोनी ने एलन संगम में रिकॉर्ड 3.50 लाख स्टूडेंट्स को किया मोटिवेट

मुंबई/पटना। क्रिकेट दिग्गज एमएस धोनी ने एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के पहले आल इंडिया स्टूडेंट समिट एलन संगम में 3 लाख 50 हजार स्टूडेंट्स का एक साथ मार्गदर्शन किया। मुंबई के एसवीपी स्टेडियम डोम में पूर्व भारतीय कप्तान ने छोटे शहर से सफलता प्राप्त करने का स्वयं का उदाहरण देते हुए देश की बड़ी व कठिनतम परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को प्रेरित किया। धोनी ने कहा, वर्तमान युग में यह मतलब नहीं रखता कि आप कहां से हो, उचित मार्गदर्शन, समर्पण और सकारात्मक मानसिकता से रांची का साधारण युवा दुनिया जीत सकता है, तो सही तैयारी के साथ आप भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने डोम में 5 हजार स्टूडेंट्स-पेरेन्ट्स की उपस्थिति में, कॅरियर सिटी कोटा सहित देश के 11 शहरों में लाइव और एलन एप के माध्यम से देशभर में स्टूडेंट्स को सम्बोधित करते हुए ईमानदारी से कड़ी मेहनत और बेहतर योजना के साथ तैयारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलताओं से सीखते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमें परिणाम पर नहीं वरन प्रोसेस पर ध्यान देना चाहिए। एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए धोनी ने कहा कि वर्तमान में जिएं और हर क्षण का आनंद लें। मैंने कभी भारत के लिए खेलने के बारे में नहीं सोचा था, मैंने सिर्फ हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दिया। जीवन में प्रेशर के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेशर भी जरूरी है, लेकिन यह सीमित होना चाहिए। खेलों से जुड़ें क्योंकि खेल आपको रोज सिखाता है। यदि आप लीडर हैं तो दूसरों के प्रति सम्मान रखें। एक अन्य छात्र के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि चुनौतियां हर जीवन में है, चुनौतियों को स्वीकार करें और कड़ी मेहनत करें तभी चैम्पियन बनेंगे और याद रखे जाएंगे, क्योंकि चुनौतियों में अवसर छिपे होते हैं।

बजाज फिन्सर्व एएमसी कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट रणनीति के साथ बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड की घोषणा करता है

मुंबई/पटना। बजाज फिन्सर्व एएमसी ने एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड की शुरूआत की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉकों में निवेश किया जाएगा। इन्वेस्टर के लिए यह फंड फरवरी 6, 2025 से शुरू होकर फरवरी 20, 2025 को बंद होगा। बजाज फिन्सर्व मल्टी कैप फंड एक कॉन्ट्रेरियन इन्वेस्टमेंट रणनीति का अनुसरण करेगा जो बाजार की लोकप्रिय धारणाओं के विपरीत अप्रयुक्त और कम मूल्यांकित स्टॉकों को पहचानेगा। इस रणनीतिक दृष्टिकोण में कम समर्थित संपत्तियों की खरीद या लोकप्रिय स्टॉकों की बिक्री भी शामिल हो सकती है। फंड प्रबंधक आर्थिक और व्यवसाय चक्रों, अस्थायी व्यावसायिक अवरोधों, मूल्यांकन की अप्रभावशीलता, प्रतिवर्तनों और कम समर्थित विकास कारकों द्वारा प्रदत्त कम प्रभावशील मूल्यांकनों और निवेश अवसरों को पहचानने के लिए बाजार रुझानों और भावनाओं का अनुसरण करेंगे।

यह फंड लार्ज, मिड और स्मॉल कंपनियों में संतुलित रूप से निवेश करेगा जिससे एक विविध बेहतर पोर्टफोलीओ को बनाए रखा जा सके। इस अनुशासित निवेश दृष्टिकोण के माध्यम से यह मल्टी कैप फंड उन अवसरों से दीर्घकाल में बेहतरीन प्रतिफल प्राप्त करने का उद्देश्य रखता है जिन्हें दूसरे छोड़ सकते हैं।

बोईसर क्षेत्र के शिवाजी नगर में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक क्लिनिक का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर (पश्चिम) एमआईडीसी तारापुर क्षेत्र के सालवड ग्रामपंचायत अंतर्गत शिवाजीनगर क्षेत्र के पुरानी बस्ती में स्थित हनुमान मंदिर के समीप मंगलवार 4 फरवरी 2025 को शिवा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक क्लिनिक का उद्घाटन दुर्गा मंदिर मान के पीठाधीश्वर संत श्री गुरु जी महाराज तथा सालवड ग्राम पंचायत के सरपंच संजय पाटील के हाथों फीता काटकर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तौर पर डॉ. आर.सी. प्रजापति उपस्थित रहे। क्लिनिक के उद्घाटन के दौरान शिवा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के संचालक डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि पूरी दुनिया में इलेक्ट्रोपैथी/इलेक्ट्रो होम्योपैथी एकमात्र चिकित्सा प्रणाली है जो पूरी तरह से हर्बल पौधों और वनस्पति जगत पर आधारित है जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है, बाकी अन्य दवाइयाँ बनाते समय पशु जगत, धातु विज्ञान और रासायनिक पदार्थों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी में, दवाइयाँ पौधों, पशु जगत, धातु विज्ञान आदि से तैयार की जाती हैं, जबकि आयुर्वेद, यूनानी और एलोपैथी में दवाइयाँ जहर, पशु जगत, पौधों, धातु विज्ञान, रसायनों आदि का उपयोग करके तैयार की जाती हैं। इलेक्ट्रोपैथी

की दवाइयाँ विशुद्ध रूप से 114+ औषधीय/हर्बल पौधों और वनस्पतियों के सार से एक विशेष इतालवी प्रक्रिया द्वारा तैयार की जाती हैं जिसे कोहोबेशन के नाम से जाना जाता है, जिसमें तापमान 37 डिग्री सेल्सियस या 98.4 डिग्री फारेनहाइट (जो सामान्य मानव शरीर का तापमान है) पर बनाए रखा जाता है। इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्थाई इलाज प्रक्रिया है। जिस तरह आज के समय में लोग तरह-तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं और एलोपैथ की दवा खाकर खुद साइड इफेक्ट का शिकार हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में होम्योपैथी इलाज एक अच्छा विकल्प होगा। इस इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से बच्चों से लेकर वृद्ध यानी हर वर्ग के व्यक्तियों का इलाज किया जा रहा है। हाइपरटेंशन, कैंसर, शुगर जैसे रोगों का भी इस पद्धति से इलाज किया जा रहा है। क्लिनिक के उद्घाटन के अवसर पर डॉ. आर.सी. प्रजापति, डॉ. प्रमोद लालन, उद्योजक गिरजेश आर. सिंह, वरिष्ठ पत्रकार जगदीश करोतीया, राजेंद्र छीपा, दीपक निराला, अजीत सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र मेश्राम, नीलेश राउत, चंद्रबली यादव, समाजसेवी ललित माली, यजुवेंद्र सावे, कौशल किशोर, आशीष श्रीवास्तव, अंजली सिंह, तुलसी छीपा, फाल्गुनी पिंपले, शुभी साहू, शिखा श्रीवास्तव ,जैनेंद्र श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव, संगीता जायसवाल, महेश, विष्णु, शांति, प्रियंका, पुष्पा तिवारी, राहुल पाटील, राकेश केवट, अभयानंद श्रीवास्तव, डॉ. संजय उपाध्याय, डॉ. अजय सिंह आदि मौजूद थे।

नागपुर में कार की टक्कर से फूड डिलीवरी एजेंट की मौत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में तेज गति से गुजर रही कार की टक्कर से भोजन की आपूर्ति करने वाले कंपनी के 22 वर्षीय एजेंट की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।अजनी चौक पर धंतोली थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात यह हादसा हुआ। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। धंतोली थाना के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों युवक एक पार्सल की आपूर्ति करने के लिए मानेवाड़ा इलाके की ओर जा रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल को एक कार ने टक्कर मार दी।

उन्होंने बताया कि घटना के तुरंत बाद घायलों को मेयो अस्पताल ले जाया गया, जहां भोजन की अपूर्ति करने वाले एजेंट चेतन राजेश्वर गवाडे को

चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार, मृतक भोजन की ऑनलाइन अपूर्ति करने वाले ऐप जोमैटो के लिए काम करता था। पुलिस ने बताया कि मृतक का 23 वर्षीय दोस्त गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि अजनी रेलवे क्वार्टर्स में रहने वाले आरोपी कार चालक अजनान इजरार हुसैन (25) को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्रयासों और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है: लल्लन तिवारी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास और मेहनत की नितांत आवश्यकता होती है। इसलिए तो कहा गया है कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती। मीरा रोड स्थित श्री एल आर तिवारी डिग्री कॉलेज के प्रांगण में आयोजित क्वीन मैरी हाई स्कूल एंड फर्स्टस्टेप के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राहुल एजुकेशन के चेयरमैन शिक्षासम्राट लल्लन तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए दूरदृष्टि, पक्का इरादा और अनुशासन का होना अति आवश्यक है। आज इन्ही सिद्धांतों पर राहुल एजुकेशन तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज राहुल एजुकेशन द्वारा 60 से

अधिक स्कूलों और कॉलेजो में केजी से लेकर पीजी तक की उत्कृष्ट शिक्षा दी जा रही है। इसके लिए सभी प्रिंसिपल शिक्षक तथा प्रशासन से जुड़े लोग बधाई के पात्र हैं। बच्चों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता बच्चों और मेधावी बच्चों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सम्मानित लोगों में अरुणोदय राय, वीरेंद्र द्विवेदी, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, रमाशंकर त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे समाजसेवी बृजेश तिवारी, देवाशीष शाह, श्रीदेवी मैडम, संतोष शर्मा , ग्रेटा मैडम, डॉ मयूर दुबे, प्रिंसिपल डॉ संजय मिश्रा, भारती सालियन, विकास तिवारी, जैनेंद्र पेंडनेकर, भावेश सावंत, आरती पांडे, नरेंद्र दुबे, प्रवीण पांडे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे थे। अंत में क्वीन मैरी स्कूल की प्रिंसिपल ममता सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को मराठा बच्चों की परवाह क्यों नहीं : मनोज जरांगे

मुंबई। कोटा कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बुधवार को पूछा कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को अपनी बेटी की इतनी अधिक परवाह है, तो वह मराठा बच्चों के लिए भी उतना ही परवाह क्यों नहीं करते और उन्हें आरक्षण क्यों नहीं दे देते।

मराठा समुदाय के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग को लेकर कई बार भूख हड़ताल कर चुके जरांगे ने फडणवीस के मंगलवार को दिए गए बयान का जिक्र किया।

जरांगे ने कहा कि इस बयान में फडणवीस ने कहा था कि उनकी बेटी की 10वीं कक्षा की परीक्षा खत्म होने तक उन्होंने मुंबई में

मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में स्थानांतरित होने को स्थगित कर दिया था।

यहां पत्रकारों से बातचीत में जरांगे ने कहा, हमने कल एक पिता का अपनी बेटी के प्रति प्यार देखा...अगर उन्हें अपनी बेटी की इतनी अधिक परवाह है, तो वह मराठा समुदाय के बच्चों की परवाह क्यों नहीं करते? उन्होंने कहा, आप अपनी बेटी की खातिर महज 500 मीटर दूर दूसरे बंगले में स्थानांतरित नहीं हो रहे हैं....तो फिर आपको हमारे बच्चों की दुर्दशा क्यों नहीं दिखती जो परीक्षा में कम नंबर आने पर फंदे से लटक जाते हैं? जरांगे ने कहा, मुख्यमंत्री उन्हें आरक्षण क्यों नहीं दे देते जो उनका अधिकार है। उन्होंने दावा किया धनगर समुदाय को भी आरक्षण के वादे के साथ 10 साल तक भ्रमित किया गया, लेकिन आरक्षण कभी नहीं दिया।

दुबई में होगी न्याय, प्रेम और शांति पर विश्व की सबसे बड़ी ग्लोबल समिट

मुंबई। दुबई न्याय, प्रेम और शांति पर केंद्रित दुनिया के सबसे बडे शिखर सम्मेलन (समिट) की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जिसमें दुनिया भर से 2,800 से अधिक पीसकीपर्स का स्वागत किया जाएगा।

वन प्लेनेट, वन वॉइसः ग्लोबल जस्टिस, लव एंड पीसह्व थीम के तहत ग्लोबल जस्टिस, लव एंड पीस समिट का आयोजन 12-13 अप्रैल, 2025 को दुबई एक्जिबिशन सेन्टर (डीईसी), एक्सपो सिटी, दुबई में होगा। आई एम पीसकीपर मूवमेंट द्वारा आयोजित, इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में 72 प्रसिद्ध वक्ताओं की एक असाधारण उपस्थिति रहेगी, जिसमें 10 नोबेल पुरस्कार विजेता, विश्व के वैचारिक अग्रणी, नीति निमार्ता, उद्यमी, सांस्कृतिक आदर्श, खेलों के चैंपियन्स और शांति एवं न्याय के समर्थक शामिल होंगे।

इस समिट में भारत से महत्वपूर्ण भागीदारी होगी, जिसमें बॉलीवुड, आध्यात्मिक और धार्मिक गुरु, कॉर्पोरेट लीडर्स, कानूनी दिग्गज, लेखक, साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। भारतीय भागीदारी में नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, योग गुरु बाबा रामदेव सहित अन्य शामिल हैं।

शिखर सम्मेलन कैबिनेट सदस्य और सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री महामहिम शेख नाहयान मबारक अल नाहयान के संरक्षण में होगा, जो मुख्य अतिथि भी होंगे। 3 फरवरी, 2025 को ग्लोबल जस्टिस, लव एंड पीस समिट के शुभारंभ की घोषणा करते हुए, आई एम पीसकीपर मूवमेंट के अध्यक्ष डॉ. हुजैफा खोराकीवाला ने शिखर सम्मेलन के दृष्टिकोण पर जोर देते हुए बताया कि हमारा लक्ष्य न्याय, प्रेम और शांति से प्रेरित दुनिया बनाने के लिए वैश्विक दूरदर्शी लोगों को एक आम मंच पर लाना है। ह्यवन प्लेनेट, वन वॉइसः ग्लोबल जस्टिस, लव एंड पीस की शक्तिशाली थीम और 28 पीस जैम्स के तहत, यह युगांतरकारी शिखर सम्मेलन ग्लोबल इंफ्लुएन्सर्स और नेताओं को सार्वभौमिक सद्भाव को बढ़ावा देने के साझा मिशन के साथ एकजुट करेगा।

पालघर जिले में 686 आंगनवाड़ी सहायिका व 68 सेविकाओं की होगी भर्ती

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार ने आंगनवाड़ी सेविकाओं व सहायिकाओं के पदों को भरने के लिए मंजूरी दे दी है और खाली पदों को मार्च 2025 के अंत तक भरने बाबत एक सरकारी निर्णय जारी किया गया है। उक्त निर्णय के अनुसार पालघर जिले में आंगनवाड़ी सेविका पद के लिए 68 और सहायिका के लिए 686 रिक्तियां हैं। जिले में स्वीकृत सेविका पदों की संख्या 3,357 हैं जब कि 3,289 सेविकाएं कार्यरत हैं। वहीं अनुमोदित सहायिका पद 3,357 हैं, जब कि 2,676 सहायिका कार्यरत हैं। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में आंगनवाड़ी सेविकाओं और सहायकों की भर्ती की प्रक्रिया में नए मानदंडों को लागू करने का फैसला किया है। ये बदलाव भर्ती प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लायेंगे और उम्मीदवारों को उनकी शैक्षिक योग्यता के अनुसार अवसर दिये जायेंगे। महिला व बाल विकास विभाग ने 30 जनवरी 2025 को एक सरकारी निर्णय (जीआर) जारी किया है। यह सरकारी निर्णय एकात्मिक बाल विकास सेवा योजना (आईसीडीएस) के तहत आंगनवाड़ी सेविका और सहायिकाओं की भर्ती के लिए लागू किया गया है। सरकार के फैसले के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के लिए रेटिंग प्रणाली को बदल दिया गया है। उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता और अनुभवों को देखते हुए उम्मीदवारों को अंक दिए जाएंगे।बारहवीं उत्तीर्ण उम्मीदवारों के मानदंड निम्नलिखित मानदंड होंगे। 80% से अधिक - 60 अंक, 70.01% से 80% - 55 अंक, 60.01% से 70% - 50 अंक, 50.01% से 60% - 45 अंक, 40% से 50% - 40 अंक, स्नातक - 10 अंक, स्नातकोत्तर - 4 अंक, डी एड - 2 अंक, बी एड झ्र 2 अंक, एमएस-सीआईटी या सरकारी कंप्यूटर कोर्स -2 अंक, विधवा / अनाथ उम्मीदवार - 10 अंक, अनुसूचित जातियां / अनुसूचित जनजातियाँ - 5 अंक, अन्य पिछड़े वर्ग / आर्थिक कमजोर घटक - 3 अंक, कम से कम 2 साल का आंगनवाड़ी सेविका या सहायक अनुभव - 5 अंक, इस प्रकार से अंक के मानदंड निर्धारित किये गये हैं। जहां 09 सितंबर 2024 को जारी किए गए स्थगन आदेश को रद्द कर दिया गया है। वहीं पिछले विज्ञापन द्वारा की गई भर्ती प्रक्रिया को रोक दिया जायेगा और अब नये सिरे से भर्ती किया जायेगा तथा संशोधित सरकारी फैसले के अनुसार नये आवेदन मांगे जायेंगे। ये सुधार आंगनवाड़ी सेविका और सहायकों को भर्ती प्रक्रिया को अधिक साफ और पारदर्शी बना देंगे। यह सभी पात्र उम्मीदवारों को एक मौका देगा, और उम्मीदवारों की गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जायेगी।ऐसा विश्वास जिला परिषद द्वारा व्यक्त किया गया है।

पात्र महिला उम्मीदवारों से आवेदन पत्र जमा करके अपनी नौकरियों का लाभ उठायें ऐसी अपील जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे, महिला और बाल कल्याण समिति सभापति रोहिणी शेलार, जिला कार्यक्रम अधिकारी (मबाक) प्रवीण भावसार ने की है। इस सरकार का निर्णय वेबसाइट www.maharashtra.gov.in पर उपलब्ध है, जिसका संकेतांक 20250 13012 34271930 है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शासन ने की पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, विश्वविद्यालय में हड़कम्प

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वित्तीय अनियमितता के आरोप में उत्तरप्रदेश शासन ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय वित्त अधिकारी के खिलाफ कठोर कदम उठाते हुए उन्हें मुख्यालय से अटैच कर दिया है। अधिकारी के खिलाफ कठोर कर्रवाई होने से विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया है। उनकी जगह अब राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के वित्त अधिकारी पूणंर्दु शुक्ला को पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वित्तीय कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आप को बता दे कि यह मामला जुलाई 2023 में प्रकाश में आया था।जब तत्कालीन कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने वित्तीय अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए एक कर्मचारी को बर्खास्त और एक अन्य को निर्लंबित कर दिया था। हालांकि,जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कार्यवाही केवल अधीनस्थ कर्मचारियों तक सीमित रही।जबकि उच्च पदस्थ अधिकारी बचाव में लगे रहे। घोटाले की जांच के लिए तत्कालीन कुलपति ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था।जिसमें-प्रो. अजय प्रताप सिंह (मनोविज्ञान विभाग), सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रेमचंद त्रिपाठी चार्टर्ड अकाउंटेंट अमित गुप्ता को शामिल किया गया। प्रो. अजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी को स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया, जबकि सेवानिवृत्त न्यायाधीश और चार्टर्ड अकाउंटेंट अमित गुप्ता की रिपोर्ट में विरोधाभास पाया गया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वित्त विभाग ने परीक्षकों के पारिश्रमिक के नाम पर उनके स्वजन और बाहरी व्यक्तियों के खातों में लाखों रुपये स्थानांतरित कर दिए थे। जब मामला उजागर होने लगा, तो वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कुछ धनराशि को वापस मंगवाकर नकद जमा करने का प्रयास किया, लेकिन घोटाले की परतें एक-एक कर खुलती चली गईं। प्रारंभिक जांच में इस वित्तीय अनियमितता की राशि लगभग 14 लाख रुपये आंकी गई थी लेकिन इसकी सही जांच की जाएगी तो वास्तविक हेरफेर की रकम इससे अधिक हो सकती है। घोटाले की गंभीरता को देखते हुए अब इस पूरे प्रकरण की जांच वाराणसी मंडलायुक्त को सौंपी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उच्च पदस्थ अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है, और जांच के पश्चात कई वरिष्ठ अधिकारियों पर भी कार्रवाई संभव है। मामले की जानकारी देते कुलपति वंदना सिंह ने बताया कि गबन मामला सामने आया है पूरे मामले की वाराणसी के मंडला आयुक्त जांच कर रहे है जाँच जो भी दोषी पाया जाएगा उनके कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में परीक्षकों के पारिश्रमिक भुगतान में लाखों की अनियमितता का मामला, अब मंडलायुक्त वाराणसी करेंगे मामले की जांच

प्रधान संघ ने बैठक कर एडीओ आईएसबी की किया निंदा

डॉ.इम्तियाज अहमद

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ब्लाक सभागार में बुद्धवार की दोपहर प्रधान संघ की एक आपात बैठक हुई। जिसमें एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव द्वारा निराधार आरोप लगाकर फर्जी तरीके से ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह को दुर्भावना से प्रेरित होकर फंसाए जाने का आरोप लगाते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया। संघ ने गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए प्रशासन से निष्पक्ष जांच कराकर मामले को खत्म करने की मांग की। बैठक में प्रधान संघ ने कहा कि एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव विकास खण्ड शाहगंज के पीएम आवास सर्वे के नोडल अधिकारी तैनात हैं, और दो गांव के सर्वेयर भी हैं। जन प्रतिनिधियों से शिकायत मिल रही थी कि नोडल मनमाने तरीके से कार्य कर रहे हैं। आवास में अपात्र को पात्र तथा पात्र को अपात्र बना कर निजी स्वार्थ के लिए धन उगाही करते हैं। मोटी रकम की मांग करते हैं। न देने पर सर्वे में मनमानी करते हैं। शिकायत पर पूछताछ करने गए प्रमुख प्रतिनिधि पर भड़क गए, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो गयी। अपने रसूख के बल पर एडीओ ने अपने सरकारी पद का दुरुपयोग करते हुए प्रमुख प्रतिनिधि पर मुकदमा कायम करवा दिया और अफवाह फैलाकर सरकारी तन्त्र का इस्तेमाल करते हुए षडयंत्र कर गिरफ्तार करवा दिया। उप जिला मजिस्ट्रेड की न्यायालय से प्रमुख प्रतिनिधि मंगलवार की देर शाम जमानत पर रिहा हुए। मामले को लेकर प्रधानों में आक्रोश व्याप्त है। बुद्धवार को प्रधान संघ अध्यक्ष अशोक यादव के नेतृत्व में ब्लाक मुख्यालय पर भारी संख्या में प्रधान जमा हो गए और आपात बैठक कर मामले की घोर निंदा की। शासन प्रशासन से मांग किया की पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर मामले को कानूनी तरीके के खत्म किया जाए और भ्रष्ट अधिकारी पर मुकदमा कायम कर गिरफ्तार किया जाए। यदि ऐसा नही होता तो प्रधान संघ आंदोलन को बाध्य होंगे। बैठक का संचालन प्रधान छभवा अशोक सिंह ने किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान कृपाशंकर राजभर, अलताफ अहमद, संदीप मौर्य, फिरतू यादव, बाबर सिद्दीकी, थानेदार यादव, सेराज अहमद, परमानन्द यादव, हसीब अहमद, राजकुमार बिंद, संतोष सोनकर, राजेश गुप्ता, अमर बिंद, विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

प्रमुख प्रतिनिधि पर हुए मुकदमे की निष्पक्ष जांच की मांग

प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सेवता विधायक ने लिया संकल्प

इंजी उमाशंकर गुप्ता ने मंदिर जीणोद्धार की सौंदर्यीकरण की ली जिम्मेदारी, पुनीत कार्य में दिए 51 बोरी सीमेंट

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद सीतापुर के सेवता विधानसभा क्षेत्र के विधायक ज्ञान तिवारी ने रामपुर मथुरा बाजार में स्थित सैकड़ों वर्ष पुराना बुढ़वा बाबा (शिव मंदिर) की दयनीय स्थिति को देखते बड़ी पहल की है। उन्होंने मंदिर का दौरा कर जीर्णोद्धार का संकल्प लिया है। विधायक के आग्रह पर इजी.उमाशंकर गुप्ता ने प्राचीन मंदिर जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण करने की जिम्मेदारी ली है। गौरतलब है कि रामपुर मथुरा के निवासी विनायक मिश्रा सहित नगरवासियों ने बताया कि प्राचीन बुढ़वा (बाबा शिव) मंदिर बहुत ही जीर्ण शीर्ण अवस्था में था। जिसके जीर्णोद्धार को लेकर कई लोगों के पास जाने बाद भी किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। उक्त सूचना सेवता विधायक ज्ञान तिवारी को हुई तो उन्होंने मंदिर का दौरा कर जीर्णोद्धार का संकल्प लेता हूं। मन्दिर सौंदर्यीकरण करने के लिए 15 लाख रुपए का सहयोग किया। साथ ही उन्होंने सैकड़ो वर्ष पुरानी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सुप्रसिद्ध इंजीनियर उमाशंकर गुप्ता को मंदिर जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण करने की जिम्मेदारी दी। उन्होंने नगरवासियों के साथ बैठक कर मंदिर के समग्र जीर्णोद्धार की योजना बनाई गई। जिसमें सनातन समाज के लोगों इस पुनीत कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

इस दौरान इंजी. उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि बुढ़वा बाबा शिव मंदिर कई हिंदू जनमानस की आस्था बताते हुए 51 बोरी सीमेंट मंदिर में देने तथा मंदिर जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राजेश यादव, योगेंद्र प्रताप सिंह, इंजीनियर अमित यादव, अवधेश सिंह चौहान, अनुराग सिंह व विपिन पांडेय सहित लोग मौजूद रहे।

फतेहगंज में अर्टिका कार व स्कार्पियो की हुई टक्कर, पांच घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के फतेहगंज बाजार के समीप प्रयागराज मार्ग पर मंगलवार की देररात्री अर्टिका कार एवं स्कार्पियो की टक्कर में कार सवार कुल पांच लोग घायल हो गए। गम्भीर रूप से घायल तीन लोगों के बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के समीप रात 1:30 बजे जंघई बाजार निवासी मठोई गांव निवासी अर्टिका कार सवार 28 वर्षीय सुनील कुमार यादव, 30 वर्षीय मंजू यादव, 10 वर्षीय अदिति, 15 वर्षीय साक्षी यादव, 12 वर्षीय शिवम्-यादव सिटी स्टेशन से उतरकर अपने घर जा रहें थे। कार सवार लोग जैसे ही फतेहगंज बाजार के समीप एक ढाबे के पास पहुँचे सामने से आ रही स्कार्पियो चालक अपनी कार को अचानक मोड़ दिया उसी समय पहुँची अर्टिका कार स्कार्पियो से जा टकराई। टक्कर होते ही कार में चीख पुकार मच गई। बाजार में ही मौजूद पुलिसकर्मियों एवं ग्रामीणों ने पहुँच कार सवार घायलों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुँची 108 नम्बर एम्बुलेंस सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जमीन विवाद में मारपीट, तीन घायल

विशाल सोनी, शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जमीन विवाद में दो पक्ष आमने सामने हो गए और जमकर मारपीट की।जिसमे तीन लोग घायल हो गए। बताया जाता है की नगर के मोहल्ला इराकियाना निवासी शमशाद अहमद पुत्र इस्तियाक अहमद का उसी मुहल्ले के इस्तेखार अहमद से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बुधवार की सुबह निर्माण कार्य को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने हो गए।आरोप है दूसरे पक्ष ने लाठी डंडे से लैस होकर जमकर मारपीट की।जिसमे मोहम्मद अहमद,मो.समीर एवं ओसामा घायल हो गए ।पीड़ितों ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी है।पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 को लेकर हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा जन सूचना अधिनियम के

तहत विभागवार लंबित प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि उनके स्तर पर लंबित सूचना के अधिकार अधिनियम से संबंधित प्रकरण को 02 दिन के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करते हुए अवगत कराए अन्यथा की दशा में संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।इसके साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कार्यालयाध्यक्ष नियमित रूप से स्वयं आर0टी0आई0 पोर्टल की समीक्षा करें और संतोषजनक निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वाराणसी के स्कूलों में 8 फरवरी तक चलेंगी ऑनलाइन क्लास

बीएसए ने परिषदीय और सीबीएसई-आईसीएससी स्कूलों को जारी किया पत्र, महाकुंभ के चलते बढ़ी डेट

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में महाकुंभ के अंतिम अमृत स्नान के बाद श्रद्धालुओं का रेला बढ़ा है। इसके साथ ही अगले कुछ दिनों में अखाड़ों की पेशवाई और स्नान भी शुरू होगा। इसके पहली डीएम के निर्देश पर एक बार फिर 8 फरवरी तक वाराणसी के सभी बोर्ड के नगरी क्षेत्र के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इन सभी स्कूलों की पढ़ाई ऑनलाइन मोड में चलाई जाएगी। इसे लेकर बीएसए ने निर्देश जारी किया है। बीएसए डॉ.अरविंद कुमार पाठक ने बताया- समस्त नगरीय क्षेत्र के विद्यालय 8 फरवरी तक बंद रहेंगे। जिलाधिकारी के आदेश पर स्कूल बंद बीएसए ने बताया- डीएम वाराणसी के निर्देश के क्रम में 8 फरवरी तक वाराणसी जनपद के नगरीय क्षेत्र में मौजूद कक्षा 1 से 8 तक संचालित समस्त परिषदीय/ राजकीय / सहायता प्राप्त तथा (सीबीएसई आईसीएससी) से मान्यता प्राप्त/सहायता प्राप्त व अन्य बोडों से संचालित समस्त अंग्रेजी/ हिन्दी माध्यम के विद्यालयों की कक्षाएं आनलाइन संचालित की जायेगी। ग्रामीण अंचल में खुलेंगे विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय पूर्व की तरह चलेंगे। यहां स्कूल खुले रहेंगे। इसके अलावा परिषदीय, सहायता प्राप्त विद्यालयों में डीबीटी, अपार आईडी, सीडिंग का कार्य हो रहा है। सभी प्रधान अध्यापक समस्त स्टॉफ के साथ विद्यालय में उपस्थित रहकर उपरोक्त कार्यों के साथ-साथ बाल वाटिका, आपरेशन कायाकल्प, रंगाई-पुताई, विद्यालय मरम्मत, एमडीएम बरतना क्रय आदि महत्वूपर्ण कार्य करेंगे। साथ ही किसी प्रकार की ट्रेनिंग संचालित हो रही हो तो निर्धारित समयानुसार पूर्ण करायेंगे।

संदेशों से जनपद में कुष्ठ के प्रति जागरूकता की अलख जगा रहे प्रधान

30 जनवरी से 13 फरवरी तक चलाया जा रहा है कुष्ठ जागरूकता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में 30 जनवरी से 13 फरवरी तक कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके चलते गांवों में प्रधान जागरूकता संदेश पढ़ रहे हैं जिससे समाज में कुष्ठ के प्रति जागरूकता आए और कुष्ठ के प्रति गलत धारणा पर रोक लग सके। इसके साथ ही कठपुतली शो के माध्यम से भी लोगों को जागरूक करने की कोशिश की जा रही है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने बताया कि इस संदेश के माध्यम से यह बताने की कोशिश हो रही है कि कुष्ठ एक आम बीमारी है जो कि बैक्टीरिया के कारण होती है। इसकी शुरूआत में त्वचा पर सफेद दाग होता है जिसमें सुन्नपन होता है। इसमें खुजली या दर्द नहीं होता है। शुरूआती दौर में ही यदि इलाज करा दिया जाए तो इसके दुष्परिणाम और विकलांगता से बचा जा सकता है। यह दवा से बिल्कुल ठीक हो जाने वाली बीमारी है। यह कोई अभिशाप, पाप या बुरे कर्म का नतीजा नहीं है। न ही जन्मजात या वंशानुगत बीमारी है। इसकी दवा सभी सरकारी अस्पतालों में निः शुल्क उपलब्ध है। कुष्ठ रोगी भी समाज के अंग हैं। उनसे भेदभाव करना उचित नहीं है। जो लोग कुष्ठ रोग से प्रभावित हो जाते हैं या विकलांग हो जाते हैं। उनका भी शासन द्वारा नैनी और अयोध्या में निः शुल्क इलाज करवाया जाता है। इतना ही नहीं उन्हें आठ हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी साथ में दी जाती है।जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ0 प्रभात कुमार ने बताया कि अभियान के तहत ही धमार्पुर, करंजाकला सहित सभी ब्लाकों के गांवों में प्रधान, आशा कार्यकर्ता और आशा संगिनी के सहयोग से यह संदेश पढ़ कर जागरूकता फैला रहे हैं। इस समय जनपद में 116 कुष्ठ रोगी उपचाराधीन हैं। इनमें से ज्यादातर एमबी (मल्टी बेसिलियरी) के रोगी हैं। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि लोग देर हो जाने पर डाक्टर से सम्पर्क करते हैं। शुरूआती लक्षण नजर अंदाज कर देते हैं। एमबी के मामलों में विकलांगता होने की संभावना बढ़ जाती है। अतः लोगों से अपील है कि शुरूआती दौर में ही जांच करा लें तो विकलांगता से बच जाएंगे। यह छुआछूत के कारण होने वाली बीमारी नहीं है। सफेद दाग कुष्ठ रोग नहीं है।

देर न करें, लक्षण दिखने पर इलाज शुरू करा देने पर बच जाएंगे विकलांगता से: मुख्य चिकित्सा अधिकारी

जौनपुर में शहर के अन्दर गोयनका होण्डा ने लांच की अपनी नई एक्टिवा 125 सीसी स्कूटी

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर स्थित गोयनका होण्डा के शोरूम में शुक्रवार को एक्टिवा 125 और एस.पी.125 की गई लांचिग। कम्पनी के जोनल मैनेजर चंदन भारद्वाज एवं हार्दिक भांवरा एरिया मैनेजर ने संयुक्त रूप से किया। हार्दिक भांवरा ने दोनो वाहनो के बारे में विस्तार से बताया कि नई एस पी 125 सीसी खास तौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह बाइक 125 सीसी में एक बडा बदलाव बेकर आई है। बाइक की आधुनिक कनोक्टविटी और फीचर्स इसे और खास बनाते है। यह देखने में भी काफी दमदार है। वही नई एक्टिवा 125 में भी कई खूबियों को शामिल किया गया है।जो चलाने वाले एक्टिवा सवार को और बेहतर अनुभव मिलेगा। इसमे एडवांस आइडियल स्टाप सिस्टम भी शामिल किया गया है। यह के पर्यावरण के प्रति होण्डा की प्रतिवद्धता को भी दशार्ता है। इस मौके पर गोयनका होण्डा के निदेशक हर्षित गोयनका ने लोगो का आभार व्यक्त किया। तथा साथ में गोयनका होण्डा के सुरेन्द्र श्रीवास्तव, संदीप कुमार तथा अन्य लोग मौजूद रहे।

करंजाकला ब्लाक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल व सहायक उपकरणों का वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्यमंत्री ,स्वतंत्र प्रभार, खेल एवं युवा कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार गिरीश चन्द्र यादव के निदेर्शानुसार विकास खण्ड-करंजाकला के परिसर में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग जौनपुर द्वारा आयोजित ट्राईसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमुख प्रतिनिधि करंजाकला जौनपुर सुनील यादव (मम्मन) के कर कमलों द्वारा ट्राईसाइकिल तथा अन्य सहायक उपकरण का वितरण जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला की उपस्थिति में किया गया । इस अवसर पर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं यथा पेंशन, दुकान लोन, शादी अनुदान, यू0डी0आई0डी0 कार्ड के विषय में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि द्वारा कुल 62 ट्राईसाइकिल, 07 स्मार्ट केने, 02 हियरिंग एड एवं 02 व्हीलचेयर का वितरण किया गया।कार्यक्रम का संचालन सहायक विकास अधिकारी (पं0) डॉ.रामकृष्ण यादव के द्वारा किया गया। इस दौरान प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी विनोद सहाय श्रीवास्तव, सहायक विकास अधिकारी (स0क0) आकाश यादव, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) मुकेश कुमार कन्नौजिया, ग्राम पंचायत अधिकारी नागेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अमित सोनकर, प्रमोद कुमार यादव, अवधेश यादव, संजीव मौर्य, मुकेश मौर्य, हरेन्द्र प्रताप यादव, नवनीत सिंह, विश्राम बिन्द तथा सफाई कर्मचारी संघ के ब्लक अध्यक्ष मंगला प्रसाद यादव, सुनील राव, जंगबहादुर यादव, अंजनी मौर्य तथा विकास खण्ड के एकाउन्टेन्ट जितेन्द्र श्रीवास्तव तथा घनश्याम भारती, वरिष्ठ सहायक तथा राहुल राजभर कम्प्यूटर आपरेटर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उपस्थित रहे।

पान की खेती पर उद्यान विभाग से मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी से किसानों का होगा लाभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. सीमा सिंह राणा द्वारा अवगत कराया गया कि शासन की ओर से किसानों के लिए कई प्रकार की फसलों की खेती पर अनुदान दिया जाता है। इसके लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं संचालित की जा रही है। जैसे राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार के अंतर्गत पान विकास योजना एवं गुणवक्तायुक्त पान उत्पादन को प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है।जनपद जौनपुर में ब्लाक महाराजगंज, सुजानगंज, मछलीशहर, बक्सा, करंजाकला में बहुत ही तकनीकी विधि से कृषको द्वारा पान की खेती की जा रही है। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा द्वारा बताया गया कि इस वित्तीय वर्ष उद्यान विभाग को 250 वर्ग मीटर का 7 पान बरेजा, 500 वर्ग मीटर का 7 पान बरेजा, 750 वर्ग मीटर का 5 पान बरेजा, 1000 वर्ग मीटर का 15 पान बरेजा एवं 1500 वर्ग मीटर का 2 पान बरेजा का लक्ष्य प्राप्त है। 250 वर्ग मीटर पान बरेजा पर रू0 12613, 500 वर्ग मीटर पान बरेजा पर रू0 25226, 750 वर्ग मीटर पान बरेजा पर रू0 37840, 1000 वर्ग मीटर पान बरेजा पर रू0 50453 एवं 1500 वर्ग मीटर पान बरेजा पर रू0 75680 का अनुदान देय है। इच्छुक कृषक भाई जो पान की खेती करते हो जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर संपर्क कर सकते हैं। कृषकों का चयन प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा।

बक्सा पुलिस पाक्सो एक्ट में अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र सिंह के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी सदर, देवेश सिंह के थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व मे उ0नि0 विनोद कुमार सिंह मय हमराही कर्मचारीगण के थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 31/2025 धारा 65(2)/351(2)/352 बी.एन.एस. व 5(एम.) /6 पाक्सों एक्ट थाना बक्शा जौनपुर का दुष्कर्म का आरोपी अभियुक्त 1- आदेश कुमार रंजन पुत्र कमलेश निवासी ग्राम सरायरैचन्द्र थाना बक्शा जिला जौनपुर को मुखबीर की सूचना पर पकड़ी चौराहा से आज दिनांक-05.02.2025 को गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

लाइन बाजार पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के वांछित 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में, प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, थाना लाइन बाजार जौनपुर के मार्गदर्शन में, उ0नि0 निखिलेश तिवारी द्वारा दिनांक-05.02.2025 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0-172/22 अंतर्गत धारा 304 भा0द0वि0 थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित अभि0 1.राजेश निषाद पुत्र गुल्लू 2.रविन्द्र उर्फ पिन्टू निषाद पुत्र गुल्लू निवासीगण सरफराजपुर थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर को मुखबीर खास की सूचना पर धन्नेपुर चौराहे के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय के भेजा गया।

चार दिवसीय किसान सम्मेलन के लिये बनाई रणनीति, किसान समस्याओं पर होगा मंथन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल के राजातालाब बीरभानपुर स्थित आवास पर आयोजित बैठक में किसान समस्याओं को लेकर चार दिनों तक होने वाले किसान सम्मेलन मोहन सराय मोड़ पर आयोजन करने का निर्णय हुआ।यह सम्मेलन 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती से प्रारंभ होकर 22 फरवरी किसान आंदोलन के जनक स्वामी सहजानंद सरस्वती की जयंती तक मनाया जाएगा।बैठक में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि किसानों की समस्याएं दिनों दिन बढ़ती जा रही हैं। आज किसान बेचारगी की हालत में जीवन जीने को मजबूर है। इस दौरान बैठक में किसान महाकुंभ आयोजन समिति के अध्यक्ष अविनाश काकडे.ने भी अपने विचार रखें।उन्होंने कहा कि किसान सम्मेलन से किसानों की दयनीय स्थिति पर चर्चा होगी।संयोजक विनय शंकर राय मुन्ना ने जानकारी दी कि इस किसान सम्मेलन में किसानों के समक्ष आ रही चुनौतियों पर भी चर्चा होगी। बैठक में मुख्य रूप से विजय नारायण वर्मा, अमलेश पटेल, उदय प्रताप पटेल, गगन प्रकाश यादव, मोहम्मद अकरम, खटाई लाल शर्मा, सतीश पटेल ने भी अपने विचार रखे।

राजकीय आई0टी0आई0 में रोजगार मेला 7 फरवरी को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन की मंशा एवं निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर कैम्पस जौनपुर में 07 फरवरी 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें शिस्का एल0ई0डी0 इलेक्ट्रीकल, हीरो क्राप्ट मोटर प्रा0लि0, जे0पी0 वी0एम0जी0मार्ट, श्री गनेशा मैनेजमेंट सर्विस के द्वारा आफिस सुपरवाइर्जर, टी0पैकिंग एण्ड सेल्स, लोन ऑफिसर, आदि निजी क्षेत्र की कम्पनी के द्वारा विभिन्न पदों पर भती करेंगी, रोजगार मेलें में प्रतिभागी अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यताः- हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0 आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण एवं आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को भर्ती करेंगी। रोजगार मेलें में अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए, रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

गढ़वा घाट स्वामी जी का दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ पड़ी भीड़

जौनपुर (बदलापुर)। जनपद जौनपुर तहसील बदलापुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा कस्तूरीपुर बदलापुर में संत मठ गढ़वा घाट स्वामी जी का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बताया जा रहा है कि संतमठ गढ़वा घाट स्वामी जी 5 फरवरी को बदलापुर में प्रतिवर्ष आते हैं, और यह भंडारा कई वर्षों से चला आरहा है जो प्रति वर्ष प्रत्येक 5 फरवरी को गढ़वा घाट स्वामी जी का यहां आगमन होता है। दूरदराज से सभी श्रद्धालु गण माताएं, बहनें, भाई, चाचा, दादा, दादी, बच्चें सभी लोग इनका दर्शन करने के लिए कई जिलों से आते हैं। यहां पर काफी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी सभी महिला पुरुष भक्तगण स्वामी जी की आरती उतारे। तथा समस्त भक्तगण आरती लिए दर्शन किए और भंडारे में महाप्रसाद वितरण किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी जोरदार प्रस्तुत किया गया जिसमें दूरदराज से काफी कलाकार भी आए हुए थे, कार्यक्रम मे शानदार बिरहा गायक शेरे जौनपुर राजबली यादव (खलीफा) ने भक्ति गीत गाकर लोगों को भक्ति रस में लीन कर दिया। वहीं पर बिरहा गायक राम अभिलाष यादव ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति दी। वहीं युवा कलाकार जैकी जौनपुरी समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ कार्यकारिणी सदस्य ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया। इस तरह बिरहा के काफी कलाकार और भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोली यादव ने किया।

संविदा बिजली कर्मीयो ने नौकरी से निकाले जाने पर धरना प्रदर्शन किया

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली में बिजली निगम के मुख्य अभियंता कार्यालय पर धरना दे रहे निष्कासित संविदा कर्मियों में से एक की बुधवार दोपहर बाद हालत बिगड़ गई। आनन-फानन उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथी की हालत बिगड़ने से नाराज अन्य निष्कासित कर्मचारियों ने मुख्य अभियंता कार्यालय पर काफी देर तक हंगामा किया। बिजली निगम के 168 संविदा कर्मचारियों को नोटिस दिए बिना ही मुख्यालय स्तर से एक फरवरी को उनकी संविदा समाप्त कर दी गई थी। इसके विरोध में निष्कासित कर्मचारियों ने मुख्य अभियंता रणविजय सिंह को उनके कार्यालय में ही छह घंटे तक बंधक बनाए रखा था। काफी समझाने पर कर्मचारी शांत हो गए थे, लेकिन धरना जारी रखा था। बुधवार को भी सुबह 11 बजे से निष्कासित कर्मचारी मुख्य अभियंता कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। अपराह्न तीन बजे निष्कासित कर्मचारी डालचंद्र को सीने में दर्द की शिकायत हुई। उनकी हालत बिगड़ने लगी। इससे वहां खलबली मच गई। मुख्य अभियंता भी मौके पर आ गए। डालचंद्र को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। वहां उनको इमरजेंसी में भर्ती कर लिया गया है। अब उनकी हालत में सुधार है। बाद में धरना दे रहे कर्मचारियों ने मुख्य अभियंता को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में संविदा बहाल होने तक आंदोलन जारी रखने की धमकी दी गई है।

यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र ने फंदे से लटककर दी जान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी जिले के सिगरा थाना क्षेत्र के छित्तूपुर के हरि नगर कालोनी में यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र ने फंदे से लटक जान दे दी। इसके पूर्व वह अपनी मां को सुसाइड नोट भी लिखा। हाल ही में हुए यूपीएससी परीक्षा में दो नंबर से मिली असफलता से वह आहत था। बुधवार की सुबह सिगरा पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने छानबीन की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मऊ निवासी प्रेम चंद शर्मा (30) सिविल परीक्षा की तैयारी करता था। सिगरा थाना क्षेत्र के छित्तपुर में हरि नगर निवासी देवेंद्र सिंह के मकान में किराये पर रहता था। मकान मालिक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि सुबह देर तक दरवाजा बंद होने पर प्रेमचंद को आवाज लगाई। कोई उत्तर नहीं मिला तो खिड़की से देखा तो प्रेमचन्द का शव खिड़की की कुंडी में गमछे के सहारे लटका हुआ था। इस बीच पुलिस और परिजनों को सूचना दी गई। पुलिस ने कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद किया।

खेत पर सिंचाई करने गए युवक का संदिग्ध हालत में मिला शव

अमरोहा (उत्तरशक्ति)। खेत पर फसल की सिंचाई करने गए किसान के बेटे का शव खेत में पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान भी हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपलौती कला में किसान आस मोहम्मद का परिवार रहता है। मंगलवार की रात को आस मोहम्मद अपने 18 वर्षीय बेटे शाहनवाज के साथ खेत पर गेहूं और सरसों की फसल की सिंचाई करने के लिए गए थे। देर रात आस मोहम्मद बेटे को खेत पर छोड़कर घर आ गए थे। बुधवार की सुबह को युवक का शव खेत में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार और सीओ दीप कुमार पंत ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। बताते हैं कि शाहनवाज मदरसे का छात्र था। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। मौत की सूचना से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि प्रथम दृष्टतया करंट से मौत की बात सामने आ रही है। फिर भी शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पेड़ पर लटका मिला आईटीआईट्रेड की छात्रा का शव

बिलासपुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के कैंपस में संस्थान की कंप्यूटर ट्रेड की छात्रा का शव पेड़ पर लटका मिला। छात्रा के पिता इसी संस्थान में अनुदेशक हैं। यह परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है, जो वर्तमान में आईटीआई कैंपस में ही रहता है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नगर के फाजलपुर रोड स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अनिल कुमार अनुदेशक के पद पर तैनात हैं। वह अपने परिवार के साथ आईटीआई कैंपस में बने आवास में रहते हैं।

मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी अनिल की 17 साल की बेटी खुशी इसी कॉलेज में कंप्यूटर ट्रेड की छात्रा है। मंगलवार तड़के खुशी का शव कैंपस में ही स्थित आम के पेड़ पर लटका हुआ देखा। खबर पाकर परिजन भी मौके पर पहुंचे और खुशी के लटकते शव को देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। शव को देख परिजन रोने लगे थे। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने छात्रा के शव को पेड़ से नीचे उतारा और फिर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना की जानकारी मिलने के बाद आईटीआई का पूरा स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया था।

मुलुंड में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विश्व कैंसर दिवस 2025 का जश्न मनाने के लिए, फोर्टिस अस्पताल मुलुंड ने मंगलवार 4 फरवरी को एक टैलेंट और पेंटिंग सत्र का आयोजन किया। इस मौके पर कैंसर मरीजों और इससे उबर चुके मरीजों का गजब का उत्साह देखने को मिला. इस गतिविधि में लगभग 150 व्यक्तियों ने भाग लिया। इन सभी ने एक साथ आकर अपने अनुभव साझा किए और यह भी साबित किया कि हम सभी कैंसर पीड़ितों के प्रति एकजुट हैं। इसने कैंसर के इलाज में आशा और समुदाय की भावना पैदा की, जो वैश्विक थीम 'यूनाइटेड बाय यूनिक' के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, कैंसर के इलाज के दौरान अच्छे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बनाए रखने का महत्व भी इस समय देखा

गया। इस पहल ने प्रतिभागियों को सहजता से जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया, साथ ही कैंसर से संबंधित प्रमुख मुद्दों के बारे में जागरूकता भी फैलाई। इस अवसर पर कई लोगों ने अपनी व्यक्तिगत कहानियाँ साझा कीं और साथ ही साथी कैंसर रोगियों के प्रति अपना बिना शर्त समर्थन दिखाया और कैंसर को हराने के लिए त्वरित और सटीक निदान, रोकथाम और उपचार के महत्व पर जोर दिया। फोर्टिस अस्पताल के डॉक्टर भी इस पहल में अपना समर्थन देने और कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए उपस्थित थे और भाषणों के माध्यम से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका प्रस्तुत की। इस पहल के बारे में अपनी राय व्यक्त करते हुए, मुलुंड में फोर्टिस अस्पताल के सुविधा निदेशक डॉ. विशाल बेरी ने कहा, हमें इस कार्यक्रम को आयोजित करने पर बहुत गर्व है, जिसमें कैंसर पीड़ितों की कलाकृति और साहस और बहादुरी को प्रदर्शित किया गया है, जिन्होंने कैंसर का सामना किया है और बाधाओं पर काबू पाने के लिए दृढ़ रहे हैं। निवारक स्वास्थ्य देखभाल में अग्रणी के रूप में, हमने इस कार्यक्रम के माध्यम से शीघ्र और सटीक निदान और उपचार के महत्व पर जोर देने की कोशिश की है। इसके साथ ही, हम सहयोगात्मक रूप से बीमारी से लड़ते हुए समुदाय में समर्थन, करुणा और प्रगति की भावना पैदा कर रहे हैं।ह इस अवसर पर बोलते हुए, कैंसर योद्धा मंधारे ने कहा, ₹आज यहां होना और इतने सारे अविश्वसनीय लोगों के साथ प्रदर्शन करने से मुझे उस यात्रा की याद आ गई, जिस पर हम सब चल रहे हैं। कैंसर ने हमें कड़ी चोट पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन हमने इसे सफल नहीं होने दिया। हम आज अपनी कहानियों, अपनी खुशी, हंसी और आशा को साझा करने के लिए एक समुदाय के रूप में एक साथ आए। कैंसर अलग-थलग महसूस कर सकता है, लेकिन इस तरह की गतिविधियां मुझे याद दिलाती हैं कि हम इस लड़ाई में कभी अकेले नहीं हैं। हमने एक मजबूत बंधन बनाया है, जो हमारे कैंसर से भी अधिक मजबूत है। पार पाने का सफर भी बाकी रहेगा."

ससुराल आए युवक की संदिग्ध हाल मे मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अहरौला क्षेत्र के खजुरी धनेजपट्टी गांव में ससुराल आए युवक की सीएचसी अहरौला से सदर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। परिजन शव को लेकर पुनः थाने पर पहुंचे। मृतक के पिता ने ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की तहरीर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया है। बताते चलें कि अंबेडकरनगर जनपद के जैतपुर थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव निवासी सुरेंद्र बनवासी (25) पुत्र मित्ता बीते मंगलवार की शाम पांच बजे अपने ससुराल अहरौला थाना के खजुरी धनेजपट्टी गांव में अपनी पत्नी निर्मला से मिलने गया था। शव लेकर थाने पहुंचे परिजनों ने बताया कि बुधवार को सुबह मृतक की पत्नी ने फोन कर बताया कि सुरेंद्र की हालत बहुत गंभीर है।

हाईवे पर पलटी तेज रफ्तार रोडवेज बस

बदायूं । बदायूं के बिनावर थाना क्षेत्र में बरेली-मथुरा हाईवे पर बुधवार को मलगांव फाटक के समीप रोडवेज बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक-परिचालक समेत 16 यात्री चोटिल हो गए। गनीमत रही कि हादसे के दौरान कोई दूसरा वाहन चपेट में नहीं आया। बस पटलने से करीब एक घंटे तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से हाईवे पर पलटी बस को हटवाया, तब जाकर यातायात सुचारू हो सका। मथुरा जिले के गांव इगलास निवासी दिनेश मथुरा डिपो की रोडवेज चलाते हैं। बुधवार को वह बस में बरेली बस स्टैंड से 16 यात्री लेकर कासगंज होते हुए मथुरा जा रहे थे। इसी बीच बिनावर थाना क्षेत्र के गांव मालगांव फाटक के समीप बस का संतुलन अचानक बिगड़ गया। उस दौरान बस की रफ्तार तेज थी। चालक दिनेश ने बस को कंट्रोल करने का प्रयास किया, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सका। स्पीड ब्रेक लगाने से बस अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में चालक एवं परिचालक समेत 16 यात्री मामूली रूप से चोटिल हुए। वहीं, बस के पीछे से आ रहे वाहनों के पहिये थम गए। जिससे हाईवे के वन-वे पर वाहनों की कतार लग गई। मौके पर जुटे राहगीरों ने बस के अंदर फंसे यात्रियों को निकाला। पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही बिनावर थाने से पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी यात्रियों को हाईवे किनारे बैठाया। चालक ने बदायूं डिपो के अधिकारियों को हादसे की जानकारी दी। इधर, पुलिस ने दूसरी रोडवेज बस में यात्रियों को शिफ्ट कर गंतव्य के लिए रवाना किया। पुलिस ने क्रेन की मदद से हाईवे पर पलटी बस को हटवाया है।

पोस्ट आफिस में सीबीआई छापा,तीन को किया गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पोस्टआफिस के कर्मियों द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत पर मंगलवार को सीबीआई की टीम जिले में धमकी। इस दौरान टीम ने डाकघर में छापेमारी करते हुए सब डिविजनल इंस्पेक्टर ओवरसीयर और डाक सहायक को गिरफ्तार किया है। सीबीआई टीम द्वारा इस छापामारी को इतना गुप्त रखा गया कि जिले की पुलिस को भी इसकी भनक तक नहीं लग सकी। एक व्यक्ति द्वारा सीबीआई से डाक विभाग के तीनों कर्मचारियों पर 25 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। उसने सीबीआई को बताया कि उसका चयन रसूलपुर नंदलाल शाखा में शाखा पोस्ट मास्टर ग्रामीण डाक सेवा के पद पर हुआ है। इन लोगों द्वारा उसे इस पद पर कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति देने के लिए रिश्वत की मांग की जा रही है।

सोनालीका ने अब तक की सर्वाधिक 10,350 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने 2025 की एक प्रेरक शुरूआत करते हुए जनवरी'25 की सर्वाधिक 10,350 ट्रैक्टरों की कुल बिक्री दर्ज की है। अपनी रोमांचक यात्रा के नए चरण में कंपनी लगातार किसानों की सफलता के लिए इनोवेशन प्रदान करते हुए घरेलू बाजार में आगे बढ़ी और उद्योग के प्रदर्शन को पीछे किया। सोनालीका ने जनवरी'24 में 9,769 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की थी। भारत का कृषि क्षेत्र स्थिरता के युग और लगातार विकसित हो रही कृषि पद्धतियों से गुजर रहा है। केंद्र सरकार के बजट में अर्थव्यवस्था के विकास इंजन के रूप में कृषि क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसके परिणाम स्वरूप ट्रैक्टर उद्योग को भी देश को आगे बढ़ाने वाली निर्णायक ताकत के रूप में रहना चाहिऐ सोनालीका ट्रैक्टर उद्योग में लगातार नए मानक स्थापित कर रहा है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि प्रत्येक किसान के पास अपने खेती को नए स्तर तक बढ़ाने के लिए ताकतवर, कुशल और विश्वसनीय कृषि मशीनरी तक पहुंच हो। 150 से अधिक देशों में एक विश्वसनीय ब्रांड, सोनालीका ग्राहकों की संतुष्टि सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ है जो आगे की अभूतपूर्व उपलब्धियां सुनिश्चित करता है। नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, 'हमेशा से हम अपने विश्वास और 3 मुख्य सिद्धांतों पर खरे उतरे हैं - सर्वोत्तम उत्पाद और सर्विस प्रदान करना, हितधारकों के हितों की देखभाल करना और बिना किसी शॉर्टकट के नैतिक रूप से व्यापार करना। ये तीन सिद्धांतों ने हमें अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हुए ट्रैक्टर उद्योग में नए प्रदर्शन मानक स्थापित करने हेतु भरोसा दिया है जिससे हमनें जनवरी की अब तक की सर्वाधिक 10,350 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है।

युवक की हत्या कर खेत में फेंका शव

बदायूं (उत्तरशक्ति)। बदायूं के उझानी कोतवाली क्षेत्र के दिल्ली-मेरठ हाईवे पर हजरतगंज गांव में अज्ञात युवक का शव खेत में मिला। सूचना पर एसएसपी डॉ. ब्रजेश सिंह मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने काफी प्रयास किए लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने युवक को शव मोर्चरी में रखवा दिया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव हजरतगंज के पास एक खेत में बुधवार सुबह अज्ञात युवक का शव मिला। सुबह ग्रामीण जब इधर से गुजरे तो उन्होंने खेत में शव पड़ा देखा। मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने युवक की कहीं दूसरे जगह हत्या कर शव को खेत में फेंके जाने की आशंका जताई। वहीं, आसपास के ग्रामीण और भवानीपुर गांव निवासी खेत मालिक विकास भी शव की शिनाख्त नहीं कर पाए। पुलिस की फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। काफी प्रयास कराने के बाद भी जब शिनाख्त नहीं हो सकी तो पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया। एसएसपी डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह ने पुलिस की स्वाट और सर्विलांस टीम को कोतवाली पुलिस की मदद में लगा दिया है। सर्विलांस टीम ने घटनास्थल का बीटीएस उठाकर संदिग्ध मोबाइल नंबरों को ट्रेस करना शुरू कर दिया है। पुलिस के मुताबिक मृतक की आयु करीब 25 साल है। उसकी गर्दन और हाथों पर धारदार हथियार की चोट के निशान नजर आ रहे हैं। गले पर भी खरोंच के निशान हैं। इसे देखकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हत्यारों ने किसी धारदार हथियार से युवक की हत्या की है। शव के सीने पर मर्द और एक हाथ में बंटी गुदा है। चेहरे पर हल्की दाढ़ी है। शरीर पर हरे रंग की जैकेट और अंदर लाल रंग की गर्म शर्ट और पेंट नीले रंग की जींस है। पुलिस को मौके पर ऐसा कोई निशान नहीं मिल सका, जो खेत में हत्या किए जाने की ओर इशारा करता हो। पुलिस को अंदेशा है कि युवक की हत्या कहीं और करके शव यहां लाकर फेंका गया है।

55 हजार के नकली नोटों के साथ सात गिरफ्तार

जालौन (उत्तरशक्ति)। पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किए गए युवक की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से कुल सात लोगों को 55 हजार के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया। उनके पास से मोबाइल, करेंसी प्रिंटर, कागज आदि बरामद हुआ है। पुलिस ने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर जेल भेज दिया। एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि कुठौंद थाना पुलिस, एसओजी, सर्विलांस टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी। तभी इटहा कालपी के पास से संदिग्ध नजर आ रहे राहुल निषाद को पकड़ा।

पूछताछ में उसने अपने छह अन्य साथियों के नाम बताए। इस पर पुलिस टीमों ने इटावा भरेह थाना क्षेत्र के कथरा गांव निवासी मोहित निषाद, मथुरा के नोहझील थाना क्षेत्र के मुसमुना गांव निवासी हरवीर, थाना क्षेत्र हाईवे मथुरा निवासी पुरुषोत्तम सिंह, थाना मोर्गरा क्षेत्र के धनीपुरा निवासी योगेश कुमार, थाना रायां के नीमगांव मथुरा निवासी कृष्णा चौधरी, नोहझील थाना क्षेत्र के पारसौली गांव निवासी सचिन कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से 55 हजार 350 रुपये के जाली नोट, सात मोबाइल, कागज डायरी आदि बरामद किए हैं।

पूछताछ में सचिन ने बताया कि वह लोग असली नोटों को स्कैन करके कागज पर प्रिंट तैयार करके अपने साथी कृष्णा चौधरी को कम रेट पर सप्लाई के लिए देते थे। उनका एक गिरोह है, जो बाजार में जाली नोट को असली नोट के रूप में प्रयोग करते हैं। इससे होने वाली असली नोटों की कमाई से अपने शौक पूरे करते हैं। उरई के अलावा, औरैया, मथुरा, इटावा सहित आसपास के जिलों में व्यस्त बाजारों में नोटों को खपाते हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कस्बे के एक इलाके में नकली नोट छापने का काम किया जा रहा है। एक विशेष टीम गठित कर छापा मारा गया। पुलिस को कुछ जाली करेंसी मिली।

यहां से पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा। इसके बाद टीम ने पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया तो बड़े नेटवर्क का पदार्फाश हुआ। पकड़े गए सभी आरोपी 18 से 25 साल की उम्र के हैं। आरोपियों ने बताया कि जल्दी अमीर बनने के चक्कर में वह नकली नोटों के कारोबार में उतर आए। गांव के लोगों ने बताया कि युवक नोटों के खपाने के बाद लग्जरी लाइफ जी रहे थे।

पीएम मोदी ने लगाई संगम में आस्था की डुबकी, मां गंगा को किया प्रणाम

सुरेश गांधी

महाकुंभनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को माघ महीने की अष्टमी तिथि पर पुण्य काल में संगम नोज पर पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। गले और हाथ में रुद्राक्ष की माला व भगवा रंग का वस्त्र पहने मोदी ने तीर्थ पुरोहितों के वैदिक मंत्रों के बीच भक्तिमय माहौल में भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और आरती की। मां गंगा को दूध अर्पित किया और अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी भी चढ़ाई। इस दौरान वह सिर पर हिमाचली टोपी पहने नजर आए. इसके अलावा गले में नीला गमछा डाले हुए भी दिखाई दिए. संगम में स्नान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने ध्यान भी किया. वह आंखें बंद कर रुद्राक्ष की माला फेरते भी दिखाई दिए. पूजा अर्चना के दौरान देशवासियों की कुशलता की कामना भी की और पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया। पीएम मोदी ने जब संगम में डुबकी लगाई, तो उनके चेहरे पर आस्था के भाव साफ देखे जा सकते थे. इस दौरान, प्रधानमंत्री को देखने के लिए लाखों की संख्या में श्रद्धालु भी उनकी एक झलक पाने को बेताब दिखे। हालांकि, बोट से संगम तक जाते वक्त मोदी ने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन किया। इस मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी रहे। 2 घंटे प्रयागराज में रहे मोदी महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, इसलिए पीएम ने कार्यक्रम बेहद सीमित रखा। वह करीब दो घंटे प्रयागराज में रहे। उन्होंने किसी से मुलाकात नहीं की। यहां तक की दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी बमरौली एयरपोर्ट पर ही रहे। खास यह है कि पीएम मोदी के कपड़े हर बार चर्चा में रहते हैं. इस बार संगम में स्नान करते हुए पीएम मोदी ने ट्रैक सूट पहना था. वह नीले रंग के पेंट और लाल रंग का स्वेटर पहने हुए थे. संगम में स्नान से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम योगी के साथ नौका विहार भी किया था. इस दौरान दोनों नेताओं की बीच की ट्यूनिंग भी दिखाई दी. दोनों एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हुए दिखाई दिए. बता दें, पीएम मोदी प्रयागराज एयरपोर्ट पर उतरे फिर वहां से हेलिकॉप्टर के जरिए डीपीएस स्कूल के ग्राउंड पहुंचे। इसके बाद अरैल घाट से नाव से पीएम संगम नोज पर पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ भी उनके साथ मौजूद रहे।

पीएम मोदी का संगम दौरा करीब 2 घंटे का था। सुबह 11 बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक का वक्त पीएम मोदी के लिए आरक्षित था। महाकुंभ में पीएम के दौरे को लेकर विशेष तैयारियां कल से ही शुरू हो गई थी। संगम घाट से लेकर प्रयागराज की सड़कों पर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल रहा। उधर, महाकुंभ में श्रद्धालुओं का आना अभी भी जारी है। अब तक साढ़े 39 करोड़ से ज्यादा लोग संगम में डुबकी लगा चुके हैं। पीएम मोदी ने इससे पहले प्रयागराज में हुए अर्धकुंभ में भी आस्था की डुबकी लगाई थी. जहां तक पीएम मोदी के आज के स्नान का सवाल है तो हिंदू पंचांग के अनुसार, 5 फरवरी माघ मास की गुप्त नवरात्रि की अष्टमी तिथि है, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन तप, ध्यान और साधना को बेहद फलदायी माना गया है। मान्यता है कि इस दिन जो लोग तप, ध्यान और स्नान करते हैं उनके सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। इसके अलावा, यह दिन को भीष्माष्टमी के रूप में भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, महाभारत के दौरान भीष्म पितामह को बाणों की शय्या पर लेटे हुए सूर्य के उत्तरायण होने और शुक्ल पक्ष की प्रतीक्षा की थी। माघ मास की अष्टमी तिथि पर उन्होंने श्रीकृष्ण की उपस्थिति में अपने प्राण त्यागे, जिसके बाद उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई।

महाकुंभ 2025, पौष पूर्णिमा के दिन 13 जनवरी को शुरू हुआ और यह 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तक चलेगा। पीएमओ ने कहा कि महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम है, जो दुनिया भर के भक्तों को आकर्षित करता है। पीएमओ ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री ने तीर्थ स्थलों पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार सक्रिय कदम उठाए हैं। पीएम मोदी से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विभिन्न क्षेत्रों की कई अन्य प्रमुख हस्तियों ने संगम में डुबकी लगाई. वहीं, मंगलवार को भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने महाकुंभ का दौरा किया और त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया, उनके साथ योगी आदित्यनाथ भी थे। प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी जब त्रिवेणी संगम पहुंचे तब आम श्रद्धालु भी संगम स्नान कर रहे थे। पीएम मोदी के आगमन के बावजूद लोगों को स्नान करने से रोका नहीं गया था। वीवीआईपी मूवमेंट के बाद भी कहीं कोई गतिरोध उत्पन्न नहीं हुआ और एक तरह से पीएम मोदी और अन्य श्रद्धालुओं ने एक साथ ही त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। इससे श्रद्धालु भी प्रसन्न नजर आए और संगम तट पर लाखों लोगों की मौजूदगी में हर हर गंगे और मोदी-मोदी के जयकारे गुंजायमान होते रहे। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से प्रारंभ हुए महाकुम्भ में अब तक वीवीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं को संगम स्नान में कहीं कोई दिक्कत नहीं आ रही है। इसी का नतीजा है कि मात्र 24 दिनों में अब तक 39 करोड़ श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगा चुके हैं। इससे पूर्व पीएम मोदी ने महाकुम्भ की शुरूआत से एक माह पूर्व 13 दिसंबर को प्रयागराज का दौरा किया था और 5500 करोड़ रुपए की 167 परियोजनाओं की सौगात दी थी। इसमें यात्री सुविधाओं के लिए रेलवे स्टेशनों के अपग्रेडेशन और डेवलपमेंट के साथ-साथ आरओबी फ्लाईओवर, सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण की प्रमुख परियोजनाएं सम्मिलित थीं।

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के तहत ट्रुथ टेल हैकाथॉन को 5,600 से अधिक वैश्विक पंजीकरण प्राप्त हुए

मुंबई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीइए) के साथ मिलकर ट्रुथटेल हैकाथॉन चैलेंज की घोषणा की है। यह हैकाथॉन, वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) के सीजन 1 का हिस्सा है। यह चैलेंज लाइव ब्रॉडकास्टिंग में गलत सूचना से निपटने के लिए एआई-संचालित समाधान विकसित करने के उद्देश्य से अग्रणी पहल है। आज के तेज-तर्रार मीडिया परिवेश में, खास तौर पर लाइव प्रसारण के दौरान गलत सूचनाएँ तेजी से फैलती हैं। वास्तविक समय में झूठी सूचना का पता लगाना प्रसारकों, पत्रकारों और दर्शकों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण चुनौती है। 10 लाख रुपए के पुरस्कार पूल के साथ, हैकाथॉन डेवलपर्स, डेटा वैज्ञानिकों और मीडिया पेशेवरों से वास्तविक समय में गलत सूचना का पता लगाने और तथ्य सत्यापन के लिए एआई-संचालित उपकरण बनाने का आह्वान करता है। जीतने वाली टीमों को प्रमुख तकनीकी पेशेवरों से नकद पुरस्कार, मेंटरशिप के अवसर और इनक्यूबेशन सहायता मिलेगी। आज तक हैकाथॉन में जबरदस्त रुचि देखी गई है, विश्व स्तर पर 5,600 से अधिक पंजीकरण हुए हैं, जिनमें 36% भागीदारी महिलाओं की है। इस हैकाथॉन को इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इंडिया,आई मिशन और डेटालीड्स सहित प्रमुख भागीदारों का समर्थन प्राप्त है; जो मीडिया प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने और प्रसारण मानकों को बनाए रखने के लिए आईसीइए की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

जीएमडीसी लिमिटेड और जे. के. सीमेंट लिमिटेड ने समझौते पर हस्ताक्षर किए

मुंबई। गुजरात खनिज विकास निगम लिमिटेड (जीएमडीसी) ने जे. के. सीमेंट लिमिटेड के साथ 40 सालों की अवधि में 250 मिलियन टन चूना-पत्थर की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते (एलएसए) पर हस्ताक्षर किए हैं। गौरतलब है कि, गुजरात के कच्छ जिले के लखपत तालुका में आगामी लखपत पुनराजपुर खदान से यह आपूर्ति की जाएगी। 29 जनवरी, 2025 (बुधवार) को आयोजित हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता जीएमडीसी लिमिटेड के अध्यक्ष, डॉ. हसमुख अधिया, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने की। इस समझौते को आधिकारिक तौर पर जीएमडीसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, रूपवंत सिंह, आईएएस तथा जे.के. सीमेंट लिमिटेड के ग्रे सीमेंट बिजनेस के प्रमुख, अनुज खंडेलवाल ने औपचारिक रूप दिया, जो इस अवसर पर अपने-अपने संगठनों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

यह समझौता सुनियोजित तौर पर की गई एक महत्वपूर्ण साझेदारी है, जिससे जीएमडीसी के बड़े लाइमस्टोन एसेट का मुद्रीकरण होगा और इसका लाभ दोनों भागीदारों को मिलेगा। इससे जे.के. सीमेंट लिमिटेड को बड़ी उत्पादन क्षमता वाले ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड सीमेंट प्लांट की स्थापना में मदद मिलेगी, जिससे इस इलाके में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस सहयोग से निवेश को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ औद्योगिक विकास अभी बेहतर होगा, तथा कच्छ में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, जो गुजरात की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। समुद्र तट से कच्छ की निकटता के अलावा, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुँच और किफायती लॉजिस्टिक्स की सुविधा की वजह से ही यह सीमेंट उत्पादन का आदर्श केंद्र बन गया है। इसके अलावा, यह पहल रॉयल्टी, राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी) तथा जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) निधि में अंशदान, और चूना-पत्थर एवं सीमेंट उत्पादन दोनों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में राजस्व के माध्यम से राज्य के खजाने में काफी बड़ा योगदान देगी।

साइबर थाना जौनपुर द्वारा चलाया गया साइबर जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। साइबर थाना जौनपुर द्वारा चलाया गया साइबर जागरूकता कार्यक्रम पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 कौस्तुभ के निर्देशन में प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को साइबर जागरूकता अभियान चलाया जाता है। जिसके क्रम में आज दिनांक-05 फरवरी 2025 को थाना कोतवाली अन्तर्गत मो0 हसन पी0जी0 कॉलेज जौनपुर में आयोजित साइबर जागरूकता कार्यक्रम में छात्र/छात्राओ को साइबर फ्राड से बचने के लिए के टिप्स दिए गए एवं साइबर फ्राड से सम्बन्धित शिकायत हेतु साइबर थाना जौनपुर एवं टोल फ्री नंबर-1930 पर सम्पर्क करने हेतु बताया गया। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर/साइबर क्राइम, देवेश सिंह और निरीक्षक दिलीप सिंह प्रभारी साइबर क्राइम, आरक्षी संग्राम सिंह यादव साइबर थाना, उप निरीक्षक कंचन पाण्डेय चौकी प्रभारी शकरमंडी कोतवाली, कंप्यूटर ऑपरेटर नीरज शर्मा कोतवाली ,आरक्षी आनंद और आरक्षी सद्दाम थाना कोतवाली मौजूद रहें।

नए आर्थिक श्रोतों के सुझाव के साथ पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने की 'बीएमसी बजट' की सराहना

बोरीवली। मुंबई महानगरपालिका के आर्थिक वर्ष 2025-26 के लिए 74427 करोड़ का बजट प्रस्तुत कर दिया गया है ।इस बजट के उपरांत उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद जनसेवक गोपाल शेट्टी ने अपनी प्रतिक्रिया के साथ कई नए आय के श्रोत व विभिन्न सुझाव प्रस्तुत करते हुए महानगरपालिका आयुक्त भूषण गगरानी को पत्र लिखा है।इस पत्र में जनसेवक शेट्टी ने नए आर्थिक स्रोतों व कर प्रणाली पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि इस बजट के उपरांत नये आर्थिक श्रोत ढूंढना मनपा के लिए नितांत आवश्यक लग रहा है। जो नागरिक टैक्स न भरते हुए भी सभी नागरिक सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं उनके लिए नियोजन बद्ध कर प्रणाली आवश्यक लग रही है। फेरी वालों पर टैक्स लगाने पर जनसेवक गोपाल शेट्टी ने कहा है कि फेरीवालों ने कभी भी टैक्स देने से इंकार नहीं किया है। फल-सब्जी विक्रेता , फूल विक्रेता व अन्य फेरी वालों को नियमानुसार अधिकृत रूप से आवश्यक लाइसेंस देकर उनके बैठने की जगह भी मुकर्रर कर देनी चाहिए ताकि किसी की भी प्रताड़ना का वे शिकार ना बनें और उनसे अवैध वसूली भी बंद हो। उनके टैक्स से मनपा के खजाने में वृद्धि ही होगी। जनसेवक शेट्टी ने आगे कहा है कि शहर के विकास में नागरिक अप्रत्यक्ष रूप से कर भर रहे हैं क्योंकि सारे डेवलपमेंट चार्जेस मकान खरीदने वालों पर थोप दिया जा रहा है ।ऐसे में बढ़ते टैक्स व डेवलपमेंट चार्जेस पर पुनर्विचार करते हुए महाराष्ट्र सरकार के 'अफोर्डेबल हाउसिंग प्लान' के लिए पूरक उपाय योजना नितांत आवश्यक है। मलःनिस्सारण, सड़कों का कॉन्क्रीटीकरण जैसे कार्य पूर्ण होने के उपरांत शेष निधी का उपयोग कहाँ होगा इसकी भी जानकारी जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मांगी है। उन्होंने यह भी कहा है कि वे कॉंट्रेक्टरों के खिलाफ नहीं हैं पर यह भी सच है कि पिछले कई बजट से कॉंट्रेक्टरों का व्यवसाय धड़ल्ले से प्रगति पर नजर आता है। उनको दी जानेवाली निधि के अनावश्यक खर्च पर भी ध्यान उल्लेखनीय है। उनके खर्च का 'ऑडिट' पारदर्शक पद्धति से हो। जनसेवक शेट्टी ने पत्र में बेस्ट को लेकर उल्लेख किया है कि बेस्ट को 1000 करोड़ का अनुदान दिया गया है। मुम्बई में मेट्रो, ऑटोरिक्शा व प्राइवेट गाड़ियों की संख्या में वृद्धि के कारण बेस्ट के यात्रियों की संख्या घटी है। ऐसे में एक श्वेतपत्र प्रस्तुत किया जाए और वीडियो ऑडिट द्वारा यात्रियों की वास्तविक संख्या का पता लगाया जाए। बेस्ट की आय में वृद्धि के लिए जनसेवक शेट्टी ने सुझाव भी दिया है कि वर्तमान समय में डिजिटल विज्ञापनों का बोलबाला है, और निजी कंपनियां इससे बड़े पैमाने पर राजस्व प्राप्त कर रही हैं। बेस्ट की बसें सम्पूर्ण मुंबई में चलती हैं, ऐसे में बस, बस स्टॉप और उसके अन्य बुनियादी ढांचे पर डिजिटल विज्ञापन लगाकर बेस्ट प्रशासन अतिरिक्त राजस्व प्राप्त कर सकता है। चल-विज्ञापन (ट्रांजिट एडवर्टाइजिंग), एलईडी स्क्रीन और स्मार्ट बस शेल्टर्स के माध्यम से बेस्ट को बड़े आर्थिक लाभ मिल सकते हैं। कई शहरों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के माध्यम से विज्ञापनों से राजस्व प्राप्त किया जाता है। इसलिए, यदि बेस्ट प्रशासन इस नीति को प्रभावी ढंग से लागू करता है, तो इससे उसे आर्थिक स्थिरता में मदद मिलेगी और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी मिल सकती हैं। मुंबईकरों के हित में मांग करते हुए जनसेवक गोपाल शेट्टी ने अन्त में कहा है कि मुंबईकरों को आगे कौन-कौन सी सुविधाएं मिलेंगी इसकी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाए ।

राज्य पुरस्कृत शिक्षक अरविंद तिवारी की शानदार विदाई समारोह संपन्न

मुंबई। मनपा स्कूलों में अपनी 29 वर्षों की दीर्घ एवं निष्कलंक सेवा के बाद के के मार्ग हिंदी शाला क्रमांक 1 के वरिष्ठ एवं राज्य पुरस्कृत शिक्षक अरविंदकुमार राधाचरण तिवारी का सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह कार्यक्रम नालासोपारा पश्चिम के जडेजा सभागृह में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय सद्विचार मंच के संस्थापक अध्यक्ष डॉ राधेश्याम तिवारी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनपा के पूर्व उप शिक्षा अधिकारीअशोक कुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि डॉ दयानंद तिवारी, तथा सम्मानित अतिथियों में राकेश शर्मा, भुलेश्वर नाथ दुबे, वंश नारायण मिश्र,डॉ नागेश पांडे, अशोक कुमार तिवारी, निलेश म्हात्रे, शरद सिंह, उपेंद्र राय, सभाजीत शुक्ला इत्यादि उपस्थित हुए। ज्ञात हो कि अरविंद कुमार तिवारी शालेय शिक्षण के इतर भी तमाम शैक्षणिक कार्य करते हैं जिससे पूरे महाराष्ट्र राज्य के विद्यार्थी लाभांवित होते हैं। महाराष्ट्र राज्य पाठयपुस्तक निर्मिति एवं अभ्यासक्रम संशोधन मंडल पुणे के गणित अभ्यास गट के सदस्य अरविंद कुमार ने गणित की पाठ्य पुस्तकों के लेखन के साथ ही साथ उनका हिंदी में अनुवाद भी किया है।

चार दिवसीय इंटरनेशनल इंडिया कारपेट एक्स्पों की तैयारी में जुटे निर्यातक

वाराणसी। कारपेट इक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल (सीईपीसी) के तत्वावधान में 14-17 अप्रैल तक भारत मंडपम (प्रगति मैदान), नई दिल्ली के हाल नं. 01 में इंडिया कार्पेट एक्सपो के 48वें संस्करण का आयोजन होगा। इसके लिए 1700 वर्ग मीटर स्पेस की बुकिंग हो गयी है। केवल 2200 वर्ग मीटर का ही स्पेस शेष बचा है। मकसद : एक ही छत के नीचे हैंडमेड कारपेट सहित अन्य हस्तनिर्मित कालीनों की प्रदर्शनी के जरिए सात समुंदर विदेशी ग्राहको को लुभाना।

कालीन निर्यात संबर्धन परिषद् अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल की अध्यक्षता में प्रशासनिक समिति के सदस्यों की हुई ऑनलाइन बैठक मे परिषद् के कार्यकारी निदेशक डा. स्मिता नागरकोटी ने कमिटी को अवगत कराया कि कालीन निर्यात संवर्धन परिषद फेयर का उद्घाटन केंद्रीय कपड़ा मंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह करेंगे। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न सचिव, अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण के अलावा मंत्री व सीईपीसी पदाधिकारी भी भाग लेंगे। दावा है कि इस फेयर में अमेरिका यूरोप सहित 65 देशों के लगभग 300 विदेशी खरीदार एवं उनके प्रतिनिधि भाग लेंगे। जबकि देश के कश्मीर, जयपुर, पानीपत, बीकानेर, आगरा, भदोही, मिजार्पुर और वाराणसी सहित अन्य कालीन परिक्षेत्रों के 150 से अधिक कालीन निर्यातक अपने स्टालों पर रंग-बिरंगी हस्तनिर्मित कालीनों को प्रदर्शनी लगायेंगे। परिषद के चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल ने बताया कि देशभर के कालीन निर्यातकों के लिए यह कारपेट फेयर वरदान साबित होगा। उनका कहना है कि इस फेयर में भारतीय निर्यातकों को एक ही छत के नीचे कालीन से जुड़े हर तरह के हस्तशिल्प उत्पादों को बेचने का मौका मिलेगा। इसके अलावा मेले में उभरते हुए उद्यमियों एवं स्टार्टअप उद्यमियों को खास अवसर दिया गया है। ताकि उनके उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिल सके। उनका कहना है कि हस्तनिर्मित कालीनों व अन्य फर्श कवरिंग को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन हर साल किया जाता है। यह कार्पेट एक्सपो एशिया उपमहाद्वीप में सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन मेलों में से एक है जहां विदेशी खरीदारों को एक छत के नीचे देश में बने हस्तनिर्मित कालीनों का संग्रह मिलता है।

निर्मला त्रिपाठी की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों को कंबल का उपहार

जौनपुर। खुटहन थाना अंतर्गत स्थित सियराबासी गांव निवासी व तिब्बती विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रोफेसर डॉ बाबूराम त्रिपाठी की समाजसेविका पत्नी निर्मला देवी की दसवीं पूण्य तिथि बुधवार को गांव में नारी सम्मान समारोह आयोजित कर मनायी गयी। वक्ताओं ने परिवार,समाज और देश के विकास में नारियों के अमूल्य योगदानों पर अपना विचार प्रकट किया। इस दौरान सौ से अधिक जरूरतमंदो को उपहार स्वरूप कंबल भी दिया गया। बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेशीय पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति यत्र नारी पूज्यंते रमंते तत्र देवता आधारित है। हम मां,बहन,बेटी आदि स्वरूपों में उनका आदि काल से सम्मान करते रहे हैं। पूर्व प्रधानाचार्य रमेश तिवारी ने कहा कि स्व निर्मला देवी एक आदर्श गृहणी के साथ साथ जीवन पर्यन्त गरीबों, असहायों और निर्बलों की सहायता में समर्पित रहीं। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। पूर्व प्रधानाचार्य अनिल दूबे ने कहा कि उनकी प्रेरणा को आचरण में समाहित कर समाज के हर सक्षम लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि वे कमजोर तबके के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास करें।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अनवरत प्रयास कर रही है। हम सभी को सिर्फ महिलाओं को जागरूक कर देना है। इस अवसर पर ओमप्रकाश तिवारी, भागवत तिवारी, अमरनाथ तिवारी, शरद मिश्रा,जग्गू सिंह,सनी तिवारी आदि मौजूद रहे।आगतो का स्वागत बिपिन तिवारी व आभार डॉक्टर अनुराग त्रिपाठी ने ब्यक्त किया। संचालन डॉ विजय शंकर त्रिपाठी ने किया।

क्रिकेट आइकन एमएस धोनी ने एलन संगम में रिकॉर्ड 3 .50 लाख स्टूडेंट्स को किया मोटिवेट

मुंबई। क्रिकेट दिग्गज एमएस धोनी ने एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के पहले आल इंडिया स्टूडेंट समिट एलन संगम में 3 लाख 50 हजार स्टूडेंट्स का एक साथ मार्गदर्शन किया। मुंबई के एसवीपी स्टेडियम डोम में पूर्व भारतीय कप्तान ने छोटे शहर से सफलता प्राप्त करने का स्वयं का उदाहरण देते हुए देश की बड़ी व कठिनतम परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

धोनी ने कहा, वर्तमान युग में यह मतलब नहीं रखता कि आप कहां से हो, उचित मार्गदर्शन, समर्पण और सकारात्मक मानसिकता से रांची का साधारण युवा दुनिया जीत सकता है, तो सही तैयारी के साथ आप भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने डोम में 5 हजार स्टूडेंट्स-पेरेन्ट्स की उपस्थिति में, कॅरियर सिटी कोटा सहित देश के 11 शहरों में लाइव और एलन एप के माध्यम से देशभर में स्टूडेंट्स को सम्बोधित करते हुए ईमानदारी से कड़ी मेहनत और बेहतर योजना के साथ तैयारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलताओं से सीखते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमें परिणाम पर नहीं वरन प्रोसेस पर ध्यान देना चाहिए। एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए धोनी ने कहा कि वर्तमान में जिएं और हर क्षण का आनंद लें। मैंने कभी भारत के लिए खेलने के बारे में नहीं सोचा था, मैंने सिर्फ हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दिया। जीवन में प्रेशर के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेशर भी जरूरी है, लेकिन यह सीमित होना चाहिए। खेलों से जुड़ें क्योंकि खेल आपको रोज सिखाता है। यदि आप लीडर हैं तो दूसरों के प्रति सम्मान रखें।

एक अन्य छात्र के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि चुनौतियां हर जीवन में है, चुनौतियों को स्वीकार करें और कड़ी मेहनत करें तभी चैम्पियन बनेंगे और याद रखे जाएंगे, क्योंकि चुनौतियों में अवसर छिपे होते हैं। पर्दे के पीछे होने वाली तैयारी पर फोकस करें। यही वो गुण है जो आपको बड़े मंच तक धैर्य और सुखद परिणामों की ओर ले जाती है। एमएस धोनी ने कहा कि अपेक्षाएं पूरी करने के लिए सही कोच का साथ होना जरूरी है, जिस तरह एलन आपको गाइडेंस देकर लक्ष्य प्राप्ति के लिए तैयार कर रहा है। उन्होंने जीवन में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को अपनी शैक्षणिक यात्रा में बैलेंस्ड और फोकस्ड रहने की आवश्यकता को स्वीकार किया।

कार्यक्रम के दौरान एलन के सीईओ नितिन कुकरेजा ने युवाओं के कॅरियर निर्माण के क्षेत्र में एलन के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एलन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों के छात्र भी इसका लाभ ले सकें। एलन शिक्षा के साथ सर्वोत्तम संसाधन भी प्रदान करने पर जोर दे रहा है। इस अवसर पर सीईओ नितिन कुकरेजा ने छात्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करने के लिए रांची में एलन का एक नया सेंटर शुरू करने की घोषणा की, जिसका महेन्द्र सिंह धोनी ने स्वागत किया। उन्होंने एलन एप के माध्यम से निशुल्क सेवाओं की शुरूआत करने की भी घोषणा की, उन्होंने कहा कि अब हर विद्यार्थी निशुल्क एलन एप पर रिवीजन टूल काम में ले सकता है। इसका उद्देश्य छात्रों को उनकी बोर्ड परीक्षाओं, आईआईटी जेईई और एनईईटी जैसी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करना है। धोनी ने मोबाइल पर बटन दबाकर एलन एप की इन सुविधाओं की शुरूआत की। इसमें वीडियो लेक्चर, रिवीजन नोट्स, फ्लैशकार्ड, मॉक टेस्ट और प्रश्न बैंक जैसे संसाधनों का लाभ विद्यार्थियों को दिया जा रहा है। दर्शकां को इस दौरान 24 घंटे एआई-पावर्ड डाउट साल्विंग बॉट की झलक देखने को मिली, जो कि नीट स्टूडेंट्स के लिए विशेष तौर पर डिजाइन किया गया है। इस कार्यक्रम में धोनी ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने 2024 के जेईई व नीट के 11 टॉपर्स को हस्ताक्षर करके जर्सियां भेंट की। एलन के निदेशक डॉ. गोविंद माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, डॉ. नवीन माहेश्वरी और डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने सैकड़ों विद्यार्थियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया 6 फीट लम्बा क्रिकेट बेट धोनी को स्मृति चिह्न के रूप में भेंट किया। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के वर्ष 2024 के परिणाम देखें तो यह लीडर की भूमिका को सार्थक करता है। 2024 के परिणामों में आईआईटी में प्रवेशित हर चौथा विद्यार्थी और एम्स में प्रवेशित हर तीसरा विद्यार्थी एलन से है। स्थापना से अब तक 36 सालों में एलन ने 30 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने महाराष्ट्र के नेर, यवतमाल में नया आउटलेट खोला

यवतमाल। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने महाराष्ट्र के नेर, यवतमाल में अपने नए बैंकिंग आउटलेट का उद्घाटन करने की घोषणा की है। इस लॉन्च के साथ, बैंक ने महाराष्ट्र में 83 बैंकिंग आउटलेट्स और देश भर में1049 आउटलेट्स की उपस्थिति स्थापित की है। नेर, यवतमाल के निवासी अब विभिन्न बैंकिंग उत्पादों का लाभ उठा सकते हैं, जिनमें बचत खाता, चालू खाता, निश्चित जमा, और आवर्ती जमा शामिल हैं। बैंक विभिन्न ऋण उत्पादों की भी पेशकश करता है, जैसे आवास ऋण, व्यापार ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, क्रेडिट, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं, और एटीएम नेटवर्क निर्बाध बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, श्री गोविंद सिंह, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, &quot नेर में हमारे नए बैंकिंग आउटलेट का उद्घाटन महाराष्ट्र में वित्तीय पहुंच कोबढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। नेर, जो अपनी कृषि धरोहर और यवतमाल के पास स्थित है,सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, और यहां एक मेहनती समुदाय है जिसमें मजबूत उद्यमिता की आकांक्षाएं हैं। इस विस्तार के माध्यम से, हम वित्तीय अंतर को पाटने, बैंकिंग की सुलभता को बढ़ाने, और इस क्षेत्र की समृद्धि में योगदान करने का लक्ष्य रखते हैं। ये बैंकिंग आउटलेट्स उन पिछड़े या निम्न-आय वाले व्यक्तियों या समूहों के लिए माइक्रो-बैंकिंग ऋण प्रदान करेंगे जिनके पास वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच है। खछऋमॉडल, समूह उधारी मॉडल है, जो व्यक्तियों को बिना व्यक्तिगत सुरक्षा या संपत्ति के ऋण लेने में सक्षम बनाता है, जबकि समूह के भीतर आपसी समर्थन और ऋण के त्वरित पुनर्भुगतान के माध्यम से क्रेडिट अनुशासन को बढ़ावा देता है।